

ओ३म्

यजुर्वेदसंहितायाः ॥

सन्त्राणां

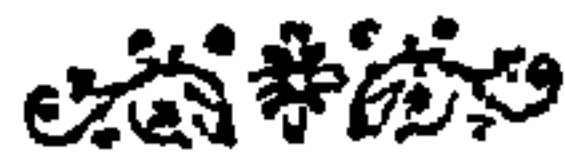
वर्णानुक्रमसूची



अजमेरस्थ वैदिक यन्त्रालये

मुद्रिता

द्वितीयावृत्तिः,



सृष्टयब्दाः १९७२९४९००११

संवत् १९६७ वि०

यजुर्वेदसंहितायाः

मन्त्राणां वर्णानुक्रमसूची ॥

अ

अधशुनातेअधशु.

अग्निगुनजिमशव.

| पृष्ठांक. | अध्याय. मंत्र. | पृष्ठांक. | अध्याय. मंत्र. |
|-------------------------|----------------|------------------------|----------------|
| ६६ अधशुनातेअधशु | २० २७ | १३२ अग्नयेगायत्राय | २६ ६० |
| १६ अधशुरधशुष्टे | ५ ७ | ४१ अग्नयेगृहपतये | १० २३ |
| ८३ अधशुश्चमेरश्मि | १८ १९ | २८ अग्नयेत्त्रामह्यं | ७ ४७ |
| १० अक्रन् कर्मकर्म | ३ ४७ | ११४ अग्नयेनीकवते | २४ १६ |
| ५० अक्रन्ददग्निरस्तनय | १२ ६ | १३२ अग्नयेनीकवतेरोहिता | २६ ५९ |
| ५० अक्रन्ददग्निरस्तनय | १२ २१ | १३५ अग्नयेपीवानम | ३० २१ |
| ५१ अक्रन्ददग्निरस्तनय | १२ ३३ | १०५ अग्नयेस्वाहासोमा | २२ ६ |
| ११ अक्षन्मीमदन्त | ३ ५१ | १०७ अग्नयेस्वाहासोमाय- | |
| १३४ अक्षराजायकितवम् | ३० १८ | स्वह्येन्द्राय | २२ २७ |
| ९० अग्नआयूपिपव | १६ ३८ | ३० अग्ना ३ इपत्नीवन्तस | ८ १० |
| १५० अग्नआयुंषि | ३५ १६ | १६ अग्नावग्निरतिपव | ५ ४ |
| १४२ अग्नइन्द्रवरुणमित्र | ३३ ४८ | ६८ अग्निं तमन्येयो | १५ ४१ |
| ७ अग्नयेकव्यवाहनाय | २ २६ | १०६ अग्निदूतं पुरोदधे | २२ १७ |
| ११४ अग्नयेकुटुना | २४ २३ | ८५ अग्निगुनजिमशव | १८ ५१ |

| पृ० | अ० सं० |
|-------------------------------|--------|
| १०६ अग्निस्तोमेनबोध | २२ १५ |
| १५७ अग्निः हृदयेना | ३६ ८ |
| ६८ अग्निः होतारं मन्ये | १५ ४७ |
| १०९ अग्निः पशुराशीतेना | २३ १७ |
| ४१ अग्निः पृथुर्धर्मणस्य | १० २९ |
| ५५ अग्निः मिये पृथामसु | १२ ११७ |
| १०४ अग्निमद्य होतारं | २१ ५६ |
| १२८ अग्निमद्य होतारं | २८ ४६ |
| १२६ अग्निमद्य होतारं | २८ २३ |
| ८६ अग्निरस्मिजन्मना | १८ ६६ |
| १२० अग्निर्ऋषिः पवमानः | २६ ६ |
| ३७ अग्निरेकाक्षरेण | ६ ३१ |
| ६ अग्निर्ज्योतिर्ज्योतिरग्निः | ३ ९ |
| ५८ अग्निर्ज्योतिषा | |
| ज्योतिष्मान् | १३ ४० |
| ६२ अग्निर्देवतावातो देवता | १४ २० |
| ६ अग्निर्मूर्धादिवः कुत् | ३ १२ |
| ६७ अग्निर्मूर्धादिवः | १५ २० |
| ५७ अग्निर्मूर्धादिवः | १३ १४ |
| १४० अग्निर्वृत्राणि | ३३ ६ |
| १२० अग्निश्च पृथ्वी च सं | २६ १ |
| ८३ अग्निश्च मथापश्च | १८ १४ |
| ८३ अग्निश्च मइन्द्रश्च | १८ १६ |
| ८३ अग्निश्च मेघर्मश्च | १८ २२ |
| ९१ अग्निष्वात्ताः पितर एष | १६ ५६ |
| ६१ अग्निष्वात्ता नृत्तुमतो | १६ ६१ |
| ६ अग्निस्तिग्मेन शोचिषा | १७ १६ |
| ७६ अग्नीषोमयोरुज्जितिम | २ १५ |
| ३७ अग्नेश्च वेदहनः | ९ १८ |

| पृ० | अ० सं० |
|----------------------------|--------|
| ५० अग्नेश्चिराशतम | १२ ८ |
| ७ अग्ने गृहपते सुगृह | २ २७ |
| ६५ अग्ने जातान् प्रणुदानः | १५ १ |
| ६८ अग्ने तमद्याश्वं न | १५ ४४ |
| ७६ अग्ने तमद्याश्वं न | १७ ७७ |
| ५४ अग्ने तव श्रवो वायो | १२ १०६ |
| १० अग्ने त्वन्नोऽअन्तम | ३ २५ |
| ११६ अग्ने त्वन्नोऽअन्तम | २५ ४७ |
| ६८ अग्ने त्वन्नो | १५ ४८ |
| ५२ अग्ने त्वं पुरीष्यो | १२ ५९ |
| १३ अग्ने त्वं सुजागृहि | ४ १४ |
| ६ अग्नेऽदब्धायोऽशीतम | २ २० |
| ५२ अग्ने दिवो अर्णमच्छा | १२ ४६ |
| १८ अग्ने नयसुपथा | ५ ३६ |
| १५६ अग्ने नयसुपथा | ४० १६ |
| २७ अग्ने नयसुपथा | ७ ४३ |
| १२१ अग्ने पत्नी रिदावह | २६ २० |
| ३२ अग्ने पवस्व स्वपा | ८ ३८ |
| ७६ अग्ने पावकरोचिषा | १७ ८ |
| ७६ अग्ने प्रेहि प्रथमो | १७ ६६ |
| ३ अग्ने ब्रह्म गृभ्णीष्व | १ १८ |
| ६३ अग्ने र्भागोऽसि | १४ २४ |
| ५० अग्नेऽभ्यावर्त्तिन्न | १२ ७ |
| ५२ अग्ने र्यत्ते दिविवर्चः | १२ ४८ |
| ५४ अग्ने यत्ते शुक्रं | १२ १०४ |
| ५८ अग्ने युच्वां हियेतवा | १३ ३६ |
| ३१ अग्ने रनीकमप | ८ २४ |
| १६ अग्ने र्जनित्रमसि | ५ २ |
| २२ अग्ने र्वोऽपन्नगृहस्य | ६ २४ |

| पृ० | अ० सं० | पृ० | अ० सं० |
|---------------------------|--------|---------------------------|--------|
| ५ अग्नेवाजिदाजन् | २ ७ | १३० अत्रार्तलपमुत्तम | २६ १८ |
| ६८ अग्नेवाजस्यागोमतः | १५ ३५ | १३५ अथैतानष्टौविरुवा | ३० २२ |
| ५ अग्नेवेर्होत्रं | २ ९ | १४६ अदब्धेभिःसवितःपायु | ३३ ६६ |
| २ अग्नेव्रतपतेव्रतं | १ ५ | १४४ अदब्धेभिःस | ३३ ८४ |
| ७ अग्नेव्रतपतेव्रतमचारिषं | २ २८ | ११८ अदितिर्द्यौर | २५ २३ |
| १६ अग्नेव्रतपास्ते | ५ ४० | ४३ अदिष्वादेवी | ११ ६१ |
| १६ अग्नेव्रतपास्त्वे | ५ ६ | १४ अदित्यास्त्वगसि | ४ ३० |
| १४० अग्नेशर्धमहतेसौभा | ३३ १२ | ६१ अदित्यास्त्वापृष्ठे | १४ ५ |
| ३८ अग्नेसहस्वपृतना | ९ ३७ | १४ अदित्यास्त्वामूर्धान्न | ४ २२ |
| ७८ अग्नेसहस्राक्षशतम् | १७ ७१ | ४ अदित्यैरास्नासिविष्णो | १ ३० |
| २ अग्नेस्तनूरसि | १ १५ | १५५ अदित्यैरास्नासीन्द्रा | ३८ ३ |
| १६ अग्नेस्तनूरसिविष्णवे | ५ १ | ४६ अदित्यैरास्ना | ११ ५९ |
| १२३ अग्नेस्वाहाकृणुहि | २७ २२ | ५ अदित्यैव्युन्दनमसि | २ २ |
| ११६ अग्नेःपक्षातिर्वायोनि | २५ ४ | ३२ अदृश्रमत्यकेतवो | ८ ४० |
| ५० अग्नेवृहस्पसामूर्ध्वो | १२ १३ | ६२ अद्भ्यःक्षीरंव्यपिवत् | १९ ७३ |
| २० अग्नेणीरसिस्वावेश | ६ २ | १३६ अद्भ्यःसंभृतः | ३१ १७ |
| ६३ अङ्गान्यात्मन्भिषजा | १६ ६३ | १०६ अद्भ्यःस्वाहावाभ्य | २२ २५ |
| ९० अङ्गिरसोनःपितरो | १६ ५० | १४१ अद्योदेवाउदितासूर्य | ३३ ४२ |
| १५६ अचिक्रददृषाहरिः | ३८ २२ | ६१ अथायानःपितरः | १६ ६९ |
| १२३ अच्छायमेतिशवसा | २७ १४ | ६८ अथाह्यश्रेकतोर्भद्रस्य | १५ ४५ |
| २५ अच्छिन्नस्यतेदेव | ७ १४ | १४२ अधिनइन्द्रैषाम् | ३३ ४७ |
| ५८ अजस्रमिन्दुम् | १३ ४३ | ६६ अधिपत्न्यसिबृहतिदि | १५ १४ |
| १११ अजारेपिशङ्गिला | २३ ५६ | ७१ अध्यवोचदधिवक्ता | १६ ५ |
| १०६ अजीजनोहिपवमा | २२ १८ | ६६ अध्वर्योअद्रिभिः | २० ३१ |
| ५६ अजोह्यश्रेरजनिष्ट | १३ ५१ | ६२ अनइवान्वयःपङ्क्ति | १४ १० |
| ३२२ अतिनिहोअतिश्र | २७ ६ | १५० अनइवाहमन्वारभाम | ३५ १३ |
| ५३ अतिदिश्वाःपरिष्ठा | १२ ८४ | १५३ अनाष्टृष्टापुरस्ता | ३७ १२ |
| १९ अत्यन्याँराअगान् | ५ ४२ | १२२ अनाष्टृष्योर्मानवेदाः | २७ ७ |
| ७ अत्रापितरोमादय | २ ३१ | १४३ अनुतेशुष्मन्तुरयन्त | ३३ ६७ |

| पृ० | अ० मं० | पृ० | अ० मं० |
|--------------------------|--------|----------------------|--------|
| १४३ अनुतमातेमधवन् | ३३ ७६ | ३५ अपाधरसमुद्भय | ९ ३ |
| १३ अनुत्वामातामन्यता | ४ २० | १५० अपाधमपकिल्वि | ३५ ११ |
| १३० अनुत्वारंथोनुमर्यो | २९ १९ | १५५ अपातामभिवनाय | ३८ १३ |
| १४६ अनुनोद्यानुमति | ३४ ९ | १४४ अपाधमदभि | ३३ ९६ |
| १२१ अनुवीरैरनुपुण्यास्म | २६ १९ | ७६ अपामिदंन्ययनध | १७ ७ |
| १५६ अनेजदेकमनसो | ४० ४ | ३ अपाररुपृथिव्यै | १ २६ |
| ५० अन्तरशेरुचात्वं | १२ १६ | १११ अपितेषुत्रिपूपदे | २३ ५० |
| १२९ अन्तरामित्रावरुणाच | २६ ६ | ५२ अपेतवीतविचस | १२ ४५ |
| ९ अन्तश्चरतिरोचना | ३ ७ | १४६ अपेतुयन्तुपण | ३५ १ |
| २५ अन्तस्तेद्यावापृथिवी | ७ ५ | ९५ अपोअद्यान्वच | २० २२ |
| १५९ अन्धन्तमः प्रविशन्ति | ४० ९ | १९ अपोदेवामधुमती | १० १ |
| १५९ अन्धन्तमः प्रविशन्ति | | ४५ अपोदेवीरुपसृज | ११ ३८ |
| येऽविद्यां ४० १२ | | १४७ अमस्वतीमश्वि | ३४ २९ |
| ९ अन्धस्थान्धोवोभक्षीय | ३ २० | ५१ अपस्वग्नेसधिं | १२ ३६ |
| ४८ अन्नपतेअन्नस्य | ११ ८३ | ३५ अपस्वन्तरमृ | ६ ६ |
| ६२ अन्नात्परिस्तुतोऽसम् | १९ ७५ | ६७ अवोध्यग्निःसमि | १५ २४ |
| १५६ अन्यदेवाहुःसंभवात् | ४० १० | ७७ अभिगोत्राणिस | १७ ३९ |
| १५९ अन्यदेवाहुर्विद्यया | ४० १३ | १४ अभित्यंदेनधसवि | ४ २६ |
| ११५ अन्यवापोअर्द्धमासा | २४ ३७ | १२४ अभित्वाशूर | २७ ३५ |
| ५४ अन्यावोअन्यां | १२ ८८ | १०५ अभिधाअसिभुव | २२ ३ |
| ४४ अन्वशिरुषसाम | ११ १७ | ८० अभिप्रवन्तसम | १७ ६६ |
| १४६ अन्विदनुमतेत्वाम् | ३४ ८ | ४१ अभिभूरस्ये | १० २८ |
| १५४ अपश्यामगोपा | ३७ १७ | १२१ अभिषङ्गृणीहि | २६ २१ |
| ५८ अपांगम्भन्सी | १३ ३० | १५६ अभीममाहिमा | ३८ १७ |
| ५९ अपात्वेमन् | १३ ५३ | १२४ अभीपुणांस | २७ ४१ |
| ४५ अपांपृष्ठमसि | ११ २९ | ८० अभ्यर्षतसुष्टुतिं | १७ ९८ |
| ५६ अपांपृष्ठमसि | १३ २ | ६५ अभ्यादधानिसमि | २० २४ |
| २१ अपांपेरुरसि | ६ १० | ५४ अभ्यावर्तस्वपृथि | १२ १०३ |
| ९२ अपांपेनेननमुचेः | १६ ७१ | ४४ अभिरसिनार्यसि | ११ १० |

| पृ० | अ० मं० | पृ० | अ० मं० |
|-----------------------------|--------|-----------------------|--------|
| ७८ अमीषांचित्तं | १७ ४४ | ६७ अयंपुरोहरिकेशःसू | १५ १५ |
| १२३ अमुत्रभूयादध | २७ ९ | २५ अयंवाग्मित्रावरुणा | ७ ६ |
| १२१ अमेवनःसुहवा | २६ २४ | २५ अयंवेनश्चो | ७ १६ |
| १० अयमग्निःपुरी | ४ ४० | १४३ अयंॐसहस्रमृ | ३३ ८३ |
| ६७ अयमग्निःसहस्रि | १५ २१ | ५२ अयंॐसोअश्रिय | १२ ४७ |
| १० अयमग्निर्गृहप | ३ ३९ | ३६ अर्थेतस्थ | १० ३ |
| ६६ अयमग्निर्वीरत | १५ ५२ | ८६ अर्द्धनृचैरु | १९ २५ |
| ९ अयमिहप्रथ | ३ १५ | ११० अर्द्धमासाःप | २३ ४१ |
| १४० अयमिहप्रथमो | ३३ ६ | १३४ अर्मेभ्योहस्ति | ३० ११ |
| ६७ अयमिहप्र | १५ २६ | ३७ अयमणंबृह | ९ २७ |
| ६७ अयमुत्तरात्संय | १५ १८ | १४२ अर्वाञ्चोअद्याभव | ३३ ५१ |
| ६७ अयमुपर्यर्वाग् | १५ १६ | ७१ अवतत्यधनुष्ट्व | १६ १३ |
| ६ अयन्तेयोनिर्ऋ | ३ १४ | ५४ अवपतन्तीरव | १२ ९१ |
| ६९ अयन्तेयोनि | १५ ५६ | १० अवभृथनितुम्पु | ३ ४८ |
| ५२ अयन्तेयोनि | १२ ५२ | ३१ अवभृथनितुम्पु | ८ २७ |
| ५९ अयंदक्षिणाविश्व | १३ ५५ | ११ अवर्द्धमदीमहा | ३ ५८ |
| ६७ अयंदक्षिणाविश्वकर्मा | | ७८ अवसृष्टापरा | १७ ४५ |
| तस्यरथस्वनश्च | १५ १६ | ९३ अविर्नमेषोन | १९ ९० |
| १९ अयन्नोअश्रिवि | ५ ३७ | ४० अवेष्टादन्दशू | १० १० |
| २८ अयन्नोअशि | ७ ४४ | ६७ अवोचामकव | १५ २५ |
| ६७ अयंपश्चाद्विश्वव्यचस्त- | | ७५ अश्मन्नूर्जम्पर्व | १७ १ |
| स्यरथप्रो | १५ १७ | १५० अश्मन्वतीरीयते | ३५ १० |
| ५९ अयंपश्चाद्विश्वव्यचास्त- | | ८३ अश्माचमेमृति | १८ १३ |
| स्यचक्षुर् | १३ ५६ | ८७ अश्यामतंकाम | १८ ७४ |
| ५९ अयंपुरोभुवः | १३ ५४ | ५३ अश्वत्थेवोनिष | १२ ७९ |
| ९ अयन्तेयोनिर्ऋत्वि | ३ १४ | १४९ अश्वत्थेवो | ३५ ४ |
| ६९ अयंदक्षिणाविश्वकर्मा | | ११३ अश्वस्तूपरो | २४ १ |
| तस्यमनो | १३ ५५ | १५३ अश्वस्यत्वावृणः | ३७ ९ |
| ६७ अयंदक्षिणाविश्वकर्मा | | ५३ अश्ववर्तीसोमा | १२ ८१ |
| तस्यरथस्वनश्च | १५ १६ | | |

| पृ० | अ० मं० | पृ० | अ० मं० |
|------------------------|--------|-------------------------|--------|
| १४७ अश्वानिर्गोमतीः | ३४ ४० | १५८ अमूर्यानामते | ४० ३ |
| ९६ अश्विनाकृतस्य | २० ३५ | ७१ असांयन्ताओअ | १६ ६ |
| ९८ अश्विनागोभिरि | २० ७३ | ७८ असांयासेना | १७ १७ |
| १५५ अश्विनाधर्मपात | ३८ १२ | ७१ असांयोवस | १६ ७ |
| ९८ अश्विनातेजसा | २० ८० | ६ अस्कन्नमथदे | २ ८ |
| ९७ अश्विनानमुचेः | २० ५६ | ५१ अस्ताव्यग्निः | १२ २६ |
| ९८ अश्विनापिवताम् | २० ९० | ७८ अम्माकमिन्द्रः | १७ ४३ |
| ६८ अश्विनाहविरि | २० ६७ | १५० अस्पात्त्वमधिजा | ३५ २२ |
| ९७ अश्विनाभेषजं | २० ६४ | ७३ अस्मिन्महत्यर्ण | १६ ५५ |
| ६३ अश्विभ्यांचक्षुर | १९ ८६ | १४२ अस्मेरुद्रामिह | ३३ ५० |
| ४६ अश्विभ्यांपच्यस्व | १० ३१ | ३७ अस्मेवोअस्तिव | ९ २२ |
| १५५ अश्विभ्यांपिन्वस्व | ३८ ४ | ६ अस्याप्रत्नामनु | ३ १६ |
| ८९ अश्विभ्यांप्रातःस | १६ २६ | १३६ अस्याजगसोद्गमां | ३३ १ |
| १२९ अश्वोघृतेन | २९ १० | १४४ अस्येदिन्द्रोवावृधे | ३३ ९७ |
| १४६ अषाढमयुत्सु | ३४ २० | १५४ अहःकेतुनाजुष | ३७ २१ |
| ५७ अषाढासिसह | १३ २६ | ४७ अहरहरप्रया | ११ ७५ |
| १४६ अष्टौव्यख्यत्ककु | ३४ २४ | १५१ अहानिशंभवन्तु | ३६ ११ |
| ७३ असंख्यातासह | १६ ५४ | ६८ अहाव्यग्नेहविरा | २० ७९ |
| १०७ असवेस्वाहावस | २२ ३० | १३२ अहिरिवभोगैः | २६ ५१ |
| १३० असियमोअस्या | २९ १४ | ११४ अन्हेपारावताना | २४ २५ |
| ५२ अमुन्वन्तमयज | १२ ६२ | २ अद्भुतमसि | १ ९ |

आ

| | | | |
|--------------------|-------|------------------------|-------|
| ४७ आकृतिमग्नि | ११ ६६ | ४४ आक्रम्यवाजिन् | ११ १९ |
| १३ आकृत्यैप्रयुजेअ | ४ ७ | ४४ आगत्यवान्यध्वा | ११ १८ |
| १४१ आकृष्णेनरजसा | ३३ ४३ | १० आगन्मविश्ववेदसं | ३ ३८ |
| १४७ आकृष्णेनरजसा | ३४ ३१ | १३२ आग्नेयःकृष्णग्रीवः | २६ ५८ |
| १३२ आक्रन्दयवलमो | २९ ५६ | ८३ आग्रयणश्रवणे | १८ २० |

| पृ० | अ० | मं० | पृ० | अ० | मं० |
|------------------------|----|-----|-----------------------|----|-----|
| २७ आघायेमग्निमि | ७ | ३२ | १२३ आनोनियुद्धिःश | २७ | २८ |
| ६१ आच्याजानुदक्षि | १६ | ६२ | ११७ आनोभद्राःकतवां | २५ | १४ |
| ६५ आच्छच्छन्दः | १५ | ५ | १०० आनोमित्रावरुणा | २१ | ८ |
| १३२ आजङ्घन्तिसान्वे | २९ | ५० | १४४ आनोयज्ञदिवि | ३३ | ८५ |
| ३२ आजिघ्नकलशं | ८ | ४२ | १३१ आनोयज्ञभारती | २६ | ३३ |
| १३० आजुहानईड्योवं | २६ | २८ | ६२ आन्त्राणिस्थाली | १९ | ८६ |
| ७६ आजुहानः सुप्रती | १७ | ७३ | १६ आपतयेत्वापरिपत | ५ | ५ |
| ६७ आजुहानासस्वती | २० | ५८ | ३६ आपयेस्वाहा | ६ | २० |
| ५१ आतंभजसौश्र | १२ | २७ | ३४ आपवस्वहिरण्य | ८ | ६३ |
| १४१ आतत्तइन्द्रायव | ३३ | २८ | १४० आपश्चित्पिप्युः | ३३ | १८ |
| ८९ आतिथ्यरूपंमा | १९ | १४ | १२ आपोआस्मान्मात | ४ | २ |
| १४० आतिष्ठंतंपरि | ३३ | २२ | ५१ आपोदेवीःप्रतिगृभ् | १२ | ३५ |
| ३२ आतिष्ठवृत्रहन् | ८ | ३३ | १२३ आपोहयवृहतीर् | २७ | २५ |
| १४३ आतूनइन्द्रवृत्रहन् | ३३ | ६५ | ४६ आपोहिष्टामयोभु | ११ | ५० |
| ५५ आतेवत्सो | १२ | ११५ | १५१ आपोहिष्टाम | ३६ | १४ |
| २६ आत्मनेमेवर्चो | ७ | २८ | ५५ आप्यायस्वमदिन्त | १२ | ११४ |
| ६३ आत्मन्नुपस्थेनवृ | १९ | ६२ | ५५ आप्यायस्वसमेतु | १२ | ११२ |
| १३० आत्मानंतेमनसा | २६ | १७ | १०६ आजहन् ब्राह्मणो | २२ | २२ |
| ४४ आत्वाजिघर्षि | ११ | २३ | ९७ आमन्द्रैरिन्द्रहरि | २० | ५३ |
| ५० आत्वाऽहर्षम | १२ | ११ | ३६ आमावाजस्यप्रस | ६ | १९ |
| ५८ आदित्यंगर्भ | १३ | ४१ | १३२ आमूरज | २६ | ५७ |
| १२६ आदित्यैर्नोभार | २९ | ८ | ६ आयज्ञौपृष्णिर् | ३ | ६ |
| ७ आधत्तपितरोग | २ | ३३ | १४० आयदिशेनृपतिं | ३३ | ११ |
| १४१ आनइडाभिर्विदथे | ३३ | ३४ | ९१ आयन्तुनःपितरःसो | १६ | ५८ |
| ९७ आनइन्द्रोदूरादान | २० | ४८ | १४४ आयातमुपभूष | ३३ | ८८ |
| ६७ आनइन्द्रोहरि | २० | ४९ | ९७ आयात्विन्द्रोऽत्रव | २० | ४७ |
| ११ आनएतुमनःपु | ३ | ५४ | १५८ आयासायस्वा | ३९ | ११ |
| १४८ आनासत्याग्निभिः | ३४ | ४७ | ६२ आयुर्मेपाहि | १४ | १७ |

| पृ० | अ० | मं० | पृ० | अ० | मं० |
|-----------------------|----|-----|-------------------------|----|-----|
| ३६ आयुर्ज्ञेनक | ९ | २१ | ४४ आविश्वतःप्रत्यं | ११ | २४ |
| ८४ आयुर्ज्ञेनकल्प | १८ | २९ | १३ आवोदेवासइ | ४ | ५ |
| १०७ आयुर्ज्ञेनक | २२ | ३३ | ७७ आशुःशिशानो | १७ | ३३ |
| १५० आयुष्मानश्रे | ३५ | १७ | ६३ आशुस्त्रवृद्भ्रान्तः | १४ | २३ |
| १४८ आयुष्यवर्च | ३४ | ५० | ८९ आश्रावयेति | १६ | २४ |
| ६६ आयोष्टवासद | १५ | ६३ | ८६ आसन्दीरुप | १६ | १६ |
| १४७ आरान्निपार्थिवश्र | ३४ | ३२ | ६१ आसीनासोअरु | १६ | ६३ |
| १४३ आरोदसीअपृ | ३३ | ७५ | १४० आसुतेसिश्च | ३३ | २१ |
| ६६ आवाचोमध्य | १५ | ५१ | १३१ आसुष्वयन्ती | २९ | ३१ |
| २५ आवायोभूष | ७ | ७ | ६१ आहंपृतृन् | १९ | ५६ |
| ४० आविर्मर्याः | १० | ६ | | | |

इ

| | | | | | |
|--------------------|----|----|----------------------|----|----|
| १४६ इच्छन्तित्वासो | २४ | १८ | ९० इदंइविःप्रजननं | १९ | ४८ |
| १० इहएह्यदित | ३ | २७ | ८६ इन्दुर्दक्षःश्ये | १८ | ५३ |
| १५५ इहएह्य | ३८ | २ | ७७ इन्द्रआसन्नेता | १७ | ४० |
| १०० इडाभिरग्नि | २१ | १४ | ६६ इन्द्रंदुरःकव | २० | ४० |
| ८६ इडाभिर्भक्षाना | १६ | २६ | ८० इन्द्रंदैवीर्विशो | १७ | ८६ |
| ५२ इडामग्नेपुरुद | १२ | ५१ | ५२ इन्द्रंविश्वाअवी | १९ | ५६ |
| १४६ इडायास्त्वाप | ३४ | १५ | ६९ इन्द्रंविश्वाअवि | १५ | ६१ |
| ३२ इडेरन्तेह | ८ | ४३ | ७६ इन्द्रंविश्वाअवि | १७ | ६१ |
| २१ इदमापःप्रव | ६ | १७ | ६२ इन्द्रःसुत्रामा | १६ | ८५ |
| ५६ इदमुत्तरात् | १३ | ५७ | ९७ इन्द्रःसुत्रामस्व | २० | ५१ |
| ९१ इदंपृतृभ्योनमो | १९ | ६८ | १२० इन्द्रगोमनिहाया | ३६ | ४ |
| १३८ इदंमेव्रह्मच | ३२ | १६ | १७ इन्द्रघोषस्त्वा | ५ | ११ |
| १७ इदंविष्णुर्विच | ५ | १५ | २७ इन्द्रमरुत्वइहपा | ७ | ३५ |

| पृ० | अ० | मं० | पृ० | अ० | मं० |
|-------------------------|----|-----|-----------------------|----|-----|
| ३२ इन्द्रमिद्धरी | ८ | ३५ | १४१ इन्द्रोहिमत्स्य | ३३ | २६ |
| २५ इन्द्रवायुइमे | ७ | ८ | १५१ इन्द्रोविश्वस्यरा | ३६ | ८ |
| १४२ इन्द्रवायुइमे | ३३ | ५६ | १४१ इन्द्रोवृत्रम | ३३ | २६ |
| १४२ इन्द्रवायुवृहस्प | ३३ | ४५ | ९ इन्धानास्तवा | ३ | १८ |
| १४४ इन्द्रवायुसुसंह | ३३ | ८६ | १५३ इयत्यग्रेआ | ३७ | ५ |
| ३३ इन्द्रश्चमरुत | ८ | ५५ | ४१ इयदस्यायु | १० | २५ |
| ३२ इन्द्रश्चसम्रा | ८ | ३७ | ६० इयमुपरिमाति | १३ | ५८ |
| ११७ इन्द्रस्यक्रोडो | २५ | ८ | १३ इयंतेयलिया | ४ | १३ |
| ६३ इन्द्रस्यरूपं | १९ | ९१ | ५४ इरज्यन्नग्ने | १२ | १०९ |
| १३२ इन्द्रस्यवज्रो | २९ | ५४ | १७ इरावतीधेनु | ५ | १६ |
| ३६ इन्द्रस्यवज्रोऽसि | ६ | ५ | १५० इमंजीविभ्यःपरि | ३५ | १५ |
| ४१ इन्द्रस्यव | १० | २१ | ३८ इमंदेवाअसपत्न | ६ | ४० |
| ७८ इन्द्रस्यवृष्णो | १७ | ४१ | ४० इमंदेवा | १० | १८ |
| १८ इन्द्रस्यस्यूर | ५ | ३० | ४३ इमंनोदेवस | ११ | ८ |
| १५३ इन्द्रस्यौजःस्थ | ३७ | ६ | ५९ इमंमाहिथसि | १३ | ४८ |
| १४४ इन्द्राग्नीअपा | ३३ | ६३ | ५८ इमंमाहिथसीर्द्विपा | १३ | ४७ |
| ६२ इन्द्राग्नीअव्य | १४ | ११ | ९९ इमंमेवरुणः | २१ | १ |
| २७ इन्द्राग्नीआगतं | ७ | ३१ | ५६ इमंसाहस्रंशतधा | १३ | ४६ |
| १४२ इन्द्राग्नीमित्राव | ३३ | ४९ | ८० इमंस्तनमूर्जस्वं | १७ | ८७ |
| ११६ इन्द्राग्न्योपत्त | २५ | ५ | ५६ इमामूर्णार्थुं | ११ | ५० |
| २२ इन्द्रायत्वावंसु | ६ | ३२ | १४३ इमाउत्त्वापुरुव | ३३ | ८१ |
| १५५ इन्द्रायत्वा | ३८ | ८ | १४१ इमान्तेधियंप्रभ | ३३ | २६ |
| १२० इन्द्रायाहिवृ | २६ | ५ | १४८ इमागिरागिरादि | ३४ | ५४ |
| ६८ इन्द्रायाहिचित्रभानो | २० | ८७ | १३० इमातेवाजिन्नव | २९ | १६ |
| ६८ इन्द्रायाहितूतुजान | २० | ८६ | ११६ इमानुकंभुवना | २५ | ४६ |
| ९८ इन्द्रायाहिधियोपितो | २० | ८८ | १०५ इमामगृभ्णान् | २२ | २ |
| ६७ इन्द्रायेन्दुंसरस्व | २० | ५७ | ७५ इमामेअग्नइष्ट | १७ | २ |
| ७८ इन्द्रेमम्पतरां | १७ | ५१ | ७३ इमारुद्रायतव | १६ | ४८ |

| पृ० | अ० | मं० | पृ० | अ० | मं० |
|--------------------------|----|-----|---------------------|----|-----|
| ८६ इमौतेपक्षावज | १८ | ५२ | ५८ इपेरायेरमस्व | १३ | ३५ |
| १११ इयंवेदिःपरोअन्तः | २१ | ६२ | ५५ इष्कर्तारमध्व | १२ | ११० |
| ५४ इषमूर्जमहमित | १२ | १०५ | ५३ इष्कृतिर्नामवोमा | १२ | ८३ |
| १२ इषश्चोर्जश्च | १४ | १६ | ८६ इष्टोअग्निराहु | १८ | ५७ |
| ८५ इपिरोत्रिश्वव्य | १८ | ४१ | ८६ इष्टोयज्ञोभृगु | १८ | ५६ |
| २ इपेत्वोर्जेत्वावा | १ | १ | ३३ इहरतिरिहरम | ८ | ५१ |
| १५५ इपेपिन्वस्वोर्जेपन्व | ३८ | १४ | १२२ इह्वाग्नेअधि | २७ | ४ |

इ

| | | | | | |
|-----------------------|----|----|------------------------|----|----|
| ६६ ईडितोदेवैर्हरि. | २० | ३८ | १३० ईर्मान्तासःसिलिकम् | २९ | २१ |
| ८० ईदक्षासएतादक्षास | १७ | ८४ | ११४ ईशानायपरस्व | २४ | २८ |
| ७९ ईदङ्क्षान्यादङ्क्ष | १७ | ८१ | १५८ ईशावास्यमिद | ४० | १ |
| १२९ ईड्यश्चासिवन्धश्च | २९ | ३ | | | |

उ

| | | | | | |
|---------------------------|----|----|-----------------------------|----|-----|
| १४३ उक्थेभिर्वृत्रहन्त | ३३ | ७६ | ३६ उत्तस्मास्थद्रव. | ९ | १५. |
| ४४ उखांकृणोतुशक्त्या | ११ | ५७ | १४६ उत्तानायावभरा | ३४ | १४ |
| ७८ उत्तासमुद्रोअरु | १७ | ६० | १४८ उत्तिष्ठन्नक्षत्रास्पते | ३४ | ५६. |
| १५७ उग्रलोहिते | ३९ | ६ | ३२ उत्तिष्ठन्नोजसा | ८ | ३६. |
| १५७ उग्रश्चभीम | ३६ | ७ | १४७ उत्तेदानीम्भगवन्तः | ३४ | ३७ |
| १४२ उग्राविघनिना | ३३ | ६१ | ११४ उत्काःसञ्चराएता | २४ | १५ |
| १२१ उच्चातेजातमं | २६ | १६ | ११४ उत्काःसञ्चराएता | २४ | १७ |
| ५३ उच्छुष्माओषधी | १२ | ८२ | ११४ उत्काःसञ्चराएताःशु | २४ | १६ |
| १४८ उत्तनोऽर्हिर्वुध्न्यः | ३४ | ५३ | ४४ उत्क्राममहते | ११ | २१ |

| पृ० | अ० | मं० | पृ० | अ० | मं० |
|-------------------------|----|-----|---------------------------|----|-----|
| ४७ उत्थायवृहती | ११ | ६४ | ६ उपप्रयन्तो | ३ | ११ |
| ११० उत्सवध्याऽवगुदंघेहि | २३ | २१ | १३० उपप्रागाच्छ | २९ | २३ |
| १३४ उत्सादेभ्यःकञ्जम | ३० | १० | १३० उपप्रागात्परां | २९ | २४ |
| ४४ उदक्रमीद्द्रवि | ११ | २२ | ११८ उपप्रागात्सुमन | २६ | ३० |
| ५७ उदग्नेतिष्ठप्रत्या | १३ | १२ | २६ उपयामगृहीतोऽसि | | |
| १८ उद्विधंस्तभाना | ५ | २७ | ध्रुवोऽसि | ७ | २५ |
| ४० उदीचीमारोहा | १० | १३ | १०८ उपयामगृहीतोऽसि | | |
| ६० उदीरतामव | १६ | ४६ | प्रजापत | २३ | २ |
| ४५ उद्युतिष्ठ | ११ | ४१ | १०९ उपयामगृहीतोऽसि | | |
| ५० उद्युत्तमंवरुण | १२ | १२ | प्रजापत | २३ | ४ |
| २७ उद्युत्यंजातवेद | ७ | ४१ | ३० उपयामगृहीतोऽसि | | |
| ३२ उद्युत्यं | ८ | ४१ | वृहस्पति | ८ | ९ |
| १४१ उद्युत्यंजातवेद | ३३ | ३१ | २६ उपयामगृहीतोऽसि | | |
| ५१ उद्युत्वाविश्वेदे | १२ | ३१ | मध्वेत्वो | ७ | १० |
| ७८ उद्युत्वाविश्वेदे | १७ | ५३ | ३० उपयामगृहीतोऽसि | | |
| ७८ उदेनमुत्तरां | १७ | ५० | सावित्रो | ८ | ७ |
| ४७ उदेपांवाहू | ११ | ८२ | ३० उपयामगृहीतोऽसि | | |
| ७९ उद्ग्राभंचनि | १७ | ६४ | सुशर्मा | ८ | ८ |
| ७८ उद्धर्पयमघ | १७ | ४२ | ३० उपयामगृहीतोऽसि | | |
| ६६ उद्बुध्यस्वाग्ने | १५ | ५४ | हरिरसि | ८ | ११ |
| ८६ उद्बुध्यस्वा | १८ | ६१ | २६ उपयामगृहीतोऽसीन्द्राय | ७ | २२ |
| ९५ उद्दयंतमसम् | २० | २१ | ३३ उपयामगृहीतोऽस्यग्नये | ८ | ४७ |
| १२३ उद्दयंतमसम् | २७ | १० | २५ उपयामगृहीतोऽस्यन्तर | ७ | ४ |
| १५० उद्दयंतमसम् | ३५ | १४ | ९६ उपयामगृहीतोऽस्य- | | |
| १५६ उद्दयंतमसम् | ३८ | २४ | श्विभ्यां | २० | ३३ |
| ११३ उन्नतऋषभो | २४ | ७ | २६ उपयामगृहीतोऽस्या- | | |
| ७६ उपज्मन्नुपवे | १७ | ६ | अयणो | ७ | २० |
| ९ उपत्वाअग्नेहवि | ३ | ४ | ३० उपयामगृहीतोऽस्यादित्ये | ८ | १ |
| १४३ उपनःसूनवोगि | ३३ | ७७ | ८८ उपयामगृहीतोऽस्या- | | |
| | | | श्विनं | १६ | ८ |

| पृ० | अ० मं० | पृ० | अ० मं० |
|----------------------|--------|---------------------|--------|
| १३२ उपशवासयपृथि | २९ ५५ | १६ उरुविष्णोविक्रम | ५ ३८ |
| १० उपहूताइहगाव | ३ ४३ | १६ उरुविष्णोविक्रम | ५ ४१ |
| ६१ उपहूताःपितरःसो | १९ ५७ | ३३ उशिक्षत्वंदेवसो | ८ ५० |
| ६ उपहूतोद्यौपितो | २ ११ | ५१ उशिक्षपावको | १२ २४ |
| १२१ उपहरोगिरीणां | २६ १५ | १८ उशिगसिरुवि | ५ ३२ |
| १३१ उपावसृजत्मन्या | २६ ३५ | ६२ उशान्तम्त्वानिधी | १६ ७० |
| २१ उपात्ररिस्थु | ६ ७ | १४७ उपस्तच्चित्रमा | ३४ ३३ |
| १३२ उपास्मैगायतान | ३३ ६२ | ९७ उपासानक्तम | २० ६१ |
| १४७ उभापिचतमश्विनो | ३४ २८ | ६६ उपासानक्तावृह | २० ४१ |
| ६० उभाभ्यांदेवसवि | १९ ४३ | १०० उपेयहीनुपे | २१ १७ |
| ९ उभावाभिन्द्राग्नी | ३ १३ | १४ उस्त्रावेतं | ४ ३३ |
| ६८ उभेसुरचन्द्रसर्पि | १५ ४३ | | |



| | | | |
|-------------------|--------|---------------------------|-------|
| ८२ ऊर्क्चमेसूनुता | १८ ६ | ११० ऊर्ध्वमेनमु | २३ २७ |
| १३ ऊर्गस्याङ्गिर | ४ १० | ११० ऊर्ध्वामेनामुच्छ्रापय | २३ २६ |
| ७ ऊर्जवहन्तीरमृतं | २ ३४ | १२३ ऊर्ध्वस्यसामिधो | २७ ११ |
| ५४ ऊर्जोनिपाज्जा | १२ १०८ | ४० ऊर्ध्वमारोह | १० १४ |
| १२४ ऊर्जोनिपातंस | २७ ४४ | ५७ ऊर्ध्वोभवप्रति | १३ १३ |
| ४५ ऊर्ध्वऊषु | ११ ४२ | | |



| | | | |
|--------------------|-------|-------------------|-------|
| १३ ऋक्सामयोयोशि | ४ ६ | १५३ ऋजवेत्वासाधवे | ३७ १० |
| १५१ ऋचंवाचंमपद्ये | ३६ १ | १३२ ऋजीतेपरिचृ | २६ ४९ |
| ५८ ऋचेत्वारुचेत्वा | १३ ३९ | ८२ ऋतञ्चमेऽमृतं | १८ ६ |
| ८६ ऋचोनामास्मियजु | १८ ६७ | ४५ ऋतधंसत्यमृतं | ११ ७४ |

| पृ० | अ० मं० | पृ० | अ० मं० |
|-------------------|--------|-------------------|--------|
| ८० अनजिचसत्य | १७ ८४ | ५५ अनावानंमहि | १२ १११ |
| १३४ अतयेस्तेनहृद् | ३० १३ | १२० अतावानंवेश्वा | २६ ६ |
| ११० अतवस्तअनु | २३ ४० | ८५ अतापाङ्गअतथा | १८ ३८ |
| १२१ अतवस्तेयमं | २६ १४ | ६७ अतुयेन्द्रोवन | २० ६५ |
| ७६ अतवःस्थअना | १७ ३ | १४४ अयगिन्यास | ३३ ८७ |
| ८० अतश्चसत्यश्च | १७ ८२ | | |

ए

| | | | |
|---------------------|-------|-----------------------|-------|
| १२४ एकयाचदश | २७ १३ | १५६ एथोअस्येधि | ३८ २५ |
| ६३ एकयास्तुवतम | ४१ २८ | १२१ एनाविश्वान्य | २६ १८ |
| ११६ एकस्त्वष्टुरश्च | २५ ४२ | ६८ एनावोअग्निनम | १५ ३२ |
| १०७ एकस्मैत्याहा | २२ ३१ | ६८ एभिर्तोअर्कैर्भ | १५ ४६ |
| ८४ एकाचमेनित्तश्च | १८ २४ | ६५ एवश्चन्द्रोवरिव | १५ ४ |
| ३१ एजतुदशमा | ८ २८ | ६७ एवेदिन्द्रं वृषणम् | २० ५४ |
| ११५ एययामएहृक्ता | २४ ३६ | ११८ एयद्वागःपुरोअश्वे | २५ २६ |
| ११ एतत्तेरुद्राश्च | ३ ६१ | १४ एषनेगायत्रोभाग | ४ २४ |
| ८० एताअर्षन्तिहृद् | १७ ९३ | ३७ एषतेनिर्ऋतेभा | ६ ३५ |
| १२६ एताश्चःसुभगा | २९ ५ | ११ एषतेरुद्रभागः | ३ ५७ |
| ११३ एताऐन्द्राअग्ना | २४ ८ | १४८ एषवस्तोमोम | ३४ ४८ |
| ६० एतावद्रूपंय | १६ ३१ | ३६ एषस्यवाजी | ९ १४ |
| १२५ एतावानस्यम | ३१ ३ | ६ एषानेअग्नेसामि | २ १४ |
| ८६ एतंजानायपर | १८ ६० | १३ एपातेशुक्रतनूः | ४ १७ |
| ६ एतंतेदेवसत्रि | २ १२ | ३६ एषावःसासत्या | ९ १२ |
| ८६ एतंसवस्यपरि | १८ ५६ | १३७ एषोहृदेवःप्रदि | ३२ ४ |
| १२ एतमगन्मदेव | ४ १ | १२१ एह्यपुत्रवाणि | २६ १३ |
| ६५ एथोऽस्येधिशी | २० २३ | २२ ऐन्द्रः प्राणो | ६ २० |

ओ

| पृ० | अ० मं० | पृ० | अ० मं० |
|---------------|--------|----------------|--------|
| ८२ ओजधमेसह | १८ ३ | ५४ ओपधयःसं | १२ ६६ |
| ५७ ओमासश्चर्प | ७ ३३ | ५३ ओपधीःप्रति | १२ ७७ |
| ४५ ओपधयःप्रति | ११ ४८ | ५३ ओपधीरितिमात | १२ ७८ |

क

| | | | |
|---------------------|-------|--------------------------|-------|
| ३३ ककुभंरूपं | ८ ४६ | १०६ कायस्वाहाकस्मै | २२ २० |
| १११ कत्यस्यविष्टाःक | २३ ५७ | २१ कार्पिरसि | ६ २८ |
| २० कदाचनप्रयु | ८ ३ | १४३ काव्ययोराजानि | ३३ ७२ |
| १० कदाचनस्तरी | ३ ३४ | १०६ कास्विदासीत्पूर्व | २३ ११ |
| ३० कदाचनस्तरी | ८ २ | १११ कास्विदासीत्पूर्व | २३ ५३ |
| ८० कन्याइववहतु | १७ ९७ | १११ किंस्वित्सूर्यसमं | २३ ४७ |
| १५१ कयात्वंनऊत्या | ३६ ७ | ७६ किंस्विदासीदधि | १७ १८ |
| १२४ कयानश्चित्रआ | २७ ३६ | ७६ किंस्विद्धनंकउ | १७ २० |
| १५१ कयान | ३६ ४ | १ कुक्कुटोसिमधु | १ १६ |
| १४६ कल्पतांतेदिश | ३५ ६ | १४१ कुतस्त्वामिन्द्रमाहि | ३१ २७ |
| ६७ कवण्योनव्यच | २० ६० | ९२ कुम्भोवानि | १९ ८७ |
| ११० कस्त्वाञ्चयति | १३ ३६ | १५८ कुर्वन्नेवेहक | ४० २ |
| २ कस्त्वायुनक्ति | १ ६ | ६१ कुलायिनीघृत | १४ २ |
| ६ कस्त्वाविमुञ्चति | २ २३ | ४१ कुविदङ्गयव | १० ३२ |
| १२४ कस्त्वासत्योम | २७ ४० | ८८ कुविदङ्गयव | १९ ६ |
| १५१ कस्त्वासत्योम | ३६ ५ | ११० कुविदङ्गयव | २३ ३८ |
| १११ कार्दमरेपि | २३ ५५ | ५६ कृणुष्वपाजः | १३ ६ |
| ५७ काण्डात्काण्डा | १३ २० | ११३ कृष्णग्रीवाआग्ने | २४ ६ |
| ५३ कामंक्रामंदु | १२ ७२ | ११३ कृष्णग्रीवाआग्ने | २४ ९ |

| पृ० | अ० मं० | पृ० | अ० मं० |
|----------------------|--------|-----------------------|--------|
| ११३ कृष्णग्रीवाआग्ने | २४ १४ | १११ कःस्विदेकाकीच | २३ ४५ |
| ११३ कृष्णाभौमाधूमा | २४ १० | १०६ कःस्विदेकाकी | २३ ६ |
| ५ कृष्णोअस्याखरे | २ १ | ७६ क्रमध्वमग्निना | १७ ६५ |
| १३१ केतुंकृएवन्नके | २६ ३७ | १५० क्रव्यादमग्निम | ३५ १६ |
| १११ केशवन्तःपुरुष | २३ ५१ | १५६ क्षत्रस्यत्वापर | ३८ १६ |
| १११ कोअस्यवेदभुव | २३ ५६ | ९४ क्षत्रस्ययोनिर | २० १ |
| २८ कोदात्कस्मादा | ७ ४८ | ४० क्षत्रस्योत्वमसि | १० ८ |
| ९४ कोऽसिकतमोऽसि | २० ४ | १२२ क्षत्रेणाग्नेस्वा | २७ ५ |
| २६ कोऽसिकतमोऽसिकस्या | ७ २६ | ६८ क्षपोराजन् | १५ ३७ |

ख

| | |
|------------------|-------|
| ११५ खद्गोवैश्वदे | २४ ४० |
|------------------|-------|

ग

| | | | |
|-------------------------|-------|--------------------|-------|
| १०६ गणानांत्वागण | २३ १९ | १४३ गावत्पावता | ३३ ७१ |
| ५ गन्धर्वस्त्वाविश्वा | २ ३ | १० गृहामाविभी | ३ ४१ |
| ५१ गर्भोअस्योष | १२ ३७ | ७७ गोत्रभिदंगो | १७ ३८ |
| १५४ गर्भोदेवानांपि | ३७ १४ | ९७ गोभिर्नसोम | २० ६६ |
| ११० गायत्रीत्रिष्टुब्जग | २३ ३३ | ६८ गोमदूषुणा | २० ८१ |
| ३ गायत्रेणत्वाछन्द | १ २७ | ३५ ग्रहाऊर्जाहुत | ९ ४ |
| १५५ गायत्रंछन्दोअसि | ३८ ६ | १०० ग्रीष्मेणञ्चतु | २१ २४ |
| १४० गावत्पावता | ३३ १६ | | |

घ

| | | | |
|----------------------|-------|-----------------|------|
| १५६ घर्मैतत्तेपुरीषं | १८ २१ | ६ घृताचीस्थो | २ १६ |
| १४७ घृतवतीभुव | ३४ ४५ | ५ घृताच्यसिञ्जु | २ ६ |

| पृ० | अ० मं० | पृ० | अ० मं० |
|------------------|--------|----------------|--------|
| ५३ घृतेनसीता | १२ ७० | २१ घृतंघृतपा | ६ १६ |
| २१ घृतेनाक्तौ | ६ ११ | ८० घृतंमिमिच्च | १७ ८८ |
| १२६ घृतेनाञ्जन्त | २६ २ | | |

च

| | | | |
|------------------------|-------|--------------------|-------|
| ७७ चक्षुषःपिता | १७ २५ | १७६ चित्तिजुहोमि | १७ ७८ |
| ८५ चतस्रश्चमे | १८ २५ | १३ चित्पतिर्मापुना | ४ ४ |
| १५६ चतुःस्रक्तिर्ना | ३८ २० | ५८ चित्रंदेवानामु | १३ ४६ |
| ३४ चतुःस्रिंशत् | ८ ६१ | २७ चित्रंदेवानामु | ७ ४२ |
| ११६ चतुःस्रिंशद्वाजिनो | ५५ ४१ | ५२ चिदसितयादेव | १२ ५३ |
| ८० चत्वारिंशद्वाजिनो | १७ ९१ | १३ चिदसिमनासि | ४ १९ |
| १४४ चन्द्रमाअप्स्वन्त | ३३ ६० | ९८ चोदयित्रीसूनु | २० ८५ |
| १३६ चन्द्रमामनसोजा | ३१ १२ | | |

ज

| | | | |
|---------------------|-------|---------------------|-------|
| ३ जनयत्यैत्वा | १ २२ | १३१ जीमूतस्येव | २६ ३८ |
| ६७ जनस्यगोपाअज | १५ २७ | ६६ जुषाणोवर्हि | २० ३९ |
| १४३ जानिष्ठाऽग्रःसह | ३६ ६४ | ८२ ज्यैष्ठ्यंचमआधिप | १८ ४ |
| ३६ जवोयस्तेवाजिन् | ६ ६ | १८ ज्योतिरसिविखरु | ५ ३५ |
| ९४ जिह्वामेभद्रं | २० ६ | | |

त

| | | | |
|-----------------------|-------|-------------------|-------|
| ७७ तत्रायजन्त | १७ २८ | १३३ तत्सवितुर्वरे | ३० २ |
| १५२ तच्चक्षुर्देवहितं | ३६ २४ | १०५ तत्सवितुर्व | २२ ९ |
| १३६ ततोविराडजाय | ६१ ५ | ८५ तत्त्वायामि | १८ ४९ |
| १० तत्सवितुर्वरेण्यं | ३ ३५ | १०० तत्त्वायामि | २१ २ |

| पृ० | अ० | मं० | पृ० | अ० | मं० |
|-----------------------|----|-----|----------------------------|----|-----|
| १४१ तत्सूर्यस्यदेव | ३३ | ३७ | १३० तवशरीरंपत | २६ | २२ |
| ६२ तदश्विना | १६ | ८२ | १२१ तवायंसोमस्त्व | २६ | २३ |
| ६२ तदस्यरूपम | १६ | ८१ | ४६ तस्माअरङ्गमाम | ११ | ५२ |
| १४३ तदिदासधुव | ३३ | ८० | १५१ तस्माअरङ्गमाम | ३६ | १६ |
| १५६ तदेजनितनै | ४० | ५ | १३६ तस्मादश्वाअजा | ३१ | ८ |
| १३७ तदेवाग्निस्त | ३२ | १ | १३६ तस्माद्यज्ञात्सर्वहु | | |
| १४७ तद्विप्रासोविप | ३४ | ४४ | तत्तचः ३१ | ७ | |
| २१ तद्विण्णोपरमं | ६ | ५ | १३६ तस्माद्यज्ञात्सर्वहुतः | | |
| १०० तनूनपाच्छुचि | २१ | १३ | संभृतं ३१ | ६ | |
| १३० तनूनपात्पथञ्च | २६ | २६ | ९७ तस्यवयंसुमतौ | २० | ५२ |
| १२३ तनूनपादसुरो | २७ | १२ | १३ तस्यास्तेसत्य | ४ | १८ |
| ६ तनूपाअग्नेअसि | ३ | १७ | ६९ ताअस्यसूदं | १५ | ६० |
| ६७ तनूपाभिषजा | २० | ५६ | ५२ ताअस्यसूद | १२ | ५५ |
| ६६ तन्तुनारायस्पोपेण | १५ | ७ | ११० ताडभौचतुरः | २३ | २० |
| १२३ तन्नस्तुरीपम | २७ | २० | ६८ तानआवोढमश्वि | २० | ८३ |
| ११७ तन्नोवातोमयो | २५ | १७ | ११७ तान्पूर्वया | २५ | १६ |
| १४१ तन्मित्रस्यवरुण | ३३ | ३८ | ९८ तानासत्यासु | २० | ७४ |
| ६९ तपश्चतपस्यश्च | १५ | ५७ | ६८ ताभिषजासुक | २० | ७५ |
| १३३ तपसेकौलालं | ३० | ७ | १४३ तिरश्चीनोवित | ३३ | ७४ |
| १५८ तपसेस्वाहात | ३६ | १२ | १०० तिस्रइडासरस्व | २१ | १६ |
| १७ तप्तायनीमे | ५ | ९ | ६७ तिस्रस्त्रेधासरस्व | २० | ६३ |
| ७७ तमिद्गर्भप्रथ | १७ | ३० | ९६ तिस्रोदेवीर्हवि | २० | ४३ |
| ६८ तमिन्द्रंपशवः | २२ | ६६ | १३१ तीब्रान्घोपान् | २६ | ४४ |
| ११७ तमीशानंजगत | २५ | १८ | ५५ तुभ्यंताअङ्गिर | १२ | ११६ |
| ४५ तमुत्त्वादध्यङ् | ११ | ३३ | १२३ तेअस्ययोषणे | २७ | १७ |
| ४५ तमुत्त्वापाध्योष्ट | ११ | ३४ | १३१ तेआचरन्तीसम | २६ | ४१ |
| १४१ तरणीर्विश्वद | ३३ | ३६ | ६३ तेजःपशूनांहवि | १९ | ९५ |
| ५७ तवभ्रह्मासआशु | १३ | १० | ८९ तेजोऽसितेजो | १९ | ६ |
| १२४ तववायवृतस्य | २७ | ३४ | १०५ तेजोऽसिशुक्रम | २२ | १ |

| पृ० | अ० सं० | पृ० | अ० सं० |
|-----------------------|--------|-------------------------|--------|
| ३६ तेनोअर्वन्तो | ९ १७ | १४६ त्वमग्नेमथमोअं | ३४ १२ |
| १० तेहिपुत्रासोअ | ३ ३३ | १३ त्वमग्नेब्रंतपाअसि | ४ १६ |
| १० तंत्वाशोचिष्ठः | ३ २६ | २३ त्वमद्गणशंसिपो | ६ ३७ |
| ६ तंत्वासमिन्द्रिं | ३ ३ | १४३ त्वमिन्द्रप्रतू | ३३ ६६ |
| ६८ तंपत्नीभिरनुग | १५ ५० | १४६ त्वमिमाओपधी | ३४ २२ |
| २५ तंमत्नथा | ७ १२ | ५४ त्वमुत्तमास्योप | १२ १०१ |
| १३६ तंयज्ञंवहिं | ३१ ६ | १४६ त्वन्नोअग्नेतव | ३४ १३ |
| १२१ तंवोदस्म | २६ ११ | १०० त्वन्नोअग्नेवरुण | २१ १ |
| ७६ तांसवितुर्वरेण्य | १७ ७४ | ५६ त्वेयविष्टदाशु | १३ ५२ |
| ९५ त्रयादेवाएका | २० ११ | ८७ त्वंयविष्टदाशु | १८ ७७ |
| ६७ त्रातारमिन्द्रं | २० ५० | ६१ त्वंसोमपितृभि | १६ ५४ |
| ९ त्रिधंशद्धामविराज | ३ ८ | ६१ त्वंसोमप्रचिकि | १९ ५२ |
| ८० त्रिधाहितं | १७ ६२ | ६१ त्वयाहिनःपित | १६ ५३ |
| १३५ त्रिपादूर्ध्वउदै | ३१ ४ | १०० त्वष्टातुरीपो | २१ २० |
| ६६ त्रिवृदसित्रिवृ | १५ ९ | ९६ त्वष्टादधल्लुष्म | २० ४४ |
| १३० त्रीणितआहुर्दिवि | २६ १५ | १२९ त्वष्टावीरंदेवका | २६ ६ |
| १४७ त्रीणिपदाविचक्र | ३४ ४३ | ६७ त्वामग्नेअङ्गिरसो | १५ २८ |
| १४० त्रीणिशतात्रिसह | ३३ ७ | ६७ त्वामग्नेपुष्करादध्य | १५ २२ |
| ५८ त्रिन्तूसमुद्रान्त | १३ ३१ | ५१ त्वामग्नेयजमा | १२ २८ |
| ११ त्र्यम्बकंयजामहे | ३ ६० | १२२ त्वामग्नेवृणते | २७ ३ |
| ११३ त्र्यवयोगायत्र्यै | २४ १२ | १०४ त्वामद्यऋपआर्षे | २१ ६१ |
| ८४ त्र्यविश्वमे | १८ २६ | १२४ त्वामिद्धिहवा | २७ ३७ |
| ११ त्र्यायुषंजमदग्ने | ३ ६२ | ५४ त्वांगन्धर्वा | १२ ६८ |
| ९१ त्वमग्नेर्दडितःक | १९ ६६ | ६८ त्वांचित्रश्रवस्त | १५ ३१ |
| ४४ त्वमग्नेद्युभि | ११ २७ | १४० त्वांहिमन्द्रतम | ३३ १३ |
| | | १४० त्वेअग्नेस्वाहुत | ३३ १४ |

द

४७ दधंष्ट्राभ्यामलि

११ ७८

११० दधिक्रावणोअका

२३ ३२

४० दक्षिणामारोह

१० ११

१४२ दत्तायुवाकवः

३३ ५८

| पृ० | अ० | मं० | पृ० | अ० | मं० |
|--------------------------|----|-----|-------------------------|----|-----|
| १५७ दिग्भ्यःस्वाहा | ३६ | २ | २ देवस्यत्वासवितुःप्रस | १ | १० |
| १३२ दिवःपृथिव्याः | २६ | ५३ | १७ देवस्यत्वासवितुःप्रस | ५ | २२ |
| ५० दिवस्परिप्रथम | १२ | १८ | १८ देवस्यत्वासवितुः | ५ | २६ |
| १५५ दिविधाइगंयज्ञं | ३८ | ११ | २० देवस्यत्वासवितुः | ६ | १ |
| १४४ दिविगृष्टोऽग्नरोच | ३३ | ६२ | २१ देवस्यत्वासवितुः | ६ | ६ |
| ७ दिविविष्णुर्व्यक्र | २ | २५ | २२ देवस्यत्वासवितुः | ६ | ३० |
| ८६ दिवोमूर्द्धासि | १८ | ५४ | ३ देवस्यत्वासवितुः | १ | २४ |
| १७ दिवोवाविष्णु | ५ | १९ | १५५ देवस्यत्वासवितुः | ३८ | १ |
| ८२ दीक्षायेरूपम् | १६ | १३ | ४४ देवस्यत्वासवितुः | ११ | ९ |
| ५४ दीर्घायुस्तथाप | १२ | १०० | ४४ देवस्यत्वासवितुः | ११ | २८ |
| १०० दुरोदेशीर्दिशो | २१ | १६ | ८५ देवस्यत्वासवितुः | १८ | ३७ |
| ४७ दृष्टं ह्रस्वदेवि | ११ | ६९ | ९४ देवस्यत्वासवितुः | २० | ३ |
| १५२ दृते दृष्टं हमा | ३६ | १८ | ३७ देवस्यत्वासवितुःप्रस | ९ | ३० |
| ४६ दशानोरुक्म | १२ | १ | ३८ देवस्यत्वासवितुः | ९ | ३८ |
| ५१ दशानोरुक्म | १२ | २५ | ३ देवस्यत्वासवितुः | १ | २१ |
| ६२ दृष्टापरिलुतो | १६ | ७६ | १०५ देवस्यसवितुर्मति | २२ | १४ |
| ६२ दृष्ट्वाल्लेपेव्याकरो | १९ | ७७ | ३६ देवस्याहं सवि | ९ | १० |
| १०३ देवइन्द्रोनराशंस | २१ | ५५ | ३६ देवस्याहं सवि | ९ | १३ |
| १०३ देववर्हिर्वारितीनाम् | २१ | ५७ | ७९ देवहूर्यज्ञश्चाच | १७ | ६२ |
| १२६ देववर्हिर्वारि | २८ | २१ | ३१ देवागातुवि | ८ | २१ |
| ३१ देवकृतस्यैन | ८ | १३ | १०३ देवादेवानांभि | २१ | ५३ |
| १७ देवथुतोदेवे | ५ | १७ | १२६ देवादिव्याहोता | २८ | १७ |
| ३५ देवसवितःप्रसु | ९ | १ | १२७ देवादिव्याहोतारादेव | २८ | ४० |
| ४३ देवसवितःप्रसु | ११ | ७ | ११७ देवानांभद्रासुग | २५ | १५ |
| १३३ देवसवितःप्रसु | ३० | १ | ३४ देवान्दिवमगन् | ८ | ६० |
| १६ देवसवितरेष | ५ | ६६ | ८९ देवायज्ञमत | १६ | १२ |
| ४७ देवस्त्वासवि | ११ | ८६३ | १४४ देवासोहिष्मा | ३३ | ९४ |
| १०६ देवस्यचेततो | २२ | ११ | १२७ देवीउपासानक्तादेव | २८ | ३७ |

| पृ० | अ० मं० | पृ० | अ० मं० |
|------------------------------|--------|------------------------------|--------|
| १२६ देवीउपासानक्तेन्द्रं | २८ १४ | १२८ देवोवनस्पतिर्देवमिन्द्रं | २८ ४३ |
| १०३ देवीउपासावश्विना | २१ ५० | १५३ देव्योवभ्यो | ३७ ४ |
| १०३ देवीऊर्जाहुती | २१ ५२ | १४४ देवदेवांवोश्रव | ३३ ६१ |
| १२६ देवीऊर्जाहुती | २८ १६ | १०३ देवंवर्हिसरस्व | २१ ४८ |
| १२७ देवीऊर्जाहुती | २८ ३९ | १२६ देवंवर्हिरिन्द्रमुदेवं | २८ १२ |
| १०३ देवीजोष्ट्रीसरस्वती | २१ ५१ | १२७ देवंवर्हित्रयोधसं | २८ ३५ |
| १२६ देवीजोष्ट्रीवमुध | २८ १५ | १२८ देवंवर्हिर्वारितीनां | २८ ४४ |
| १२७ देवीजोष्ट्रीवमुध | २८ ३८ | १०३ देवंवर्हिर्वारितीनाम | २१ ५७ |
| १५३ देवीद्यावापृ | ३७ ३ | ११ देहिमेददामिते | ३ ५० |
| ३१ देवीरापःएषवो | ८ २६ | ११० देव्याध्वर्यव | २३ ४२ |
| २१ देवीरापःशुधा | ६ १३ | ९६ देव्यामिमाना | २० ४२ |
| २२ देवीरापोअपां | ६ २७ | ७८ देव्यायधर्त्रे | १७ ५६ |
| १२६ देवीर्द्वारइन्द्रं | २८ १३ | १४३ देव्यावध्वर्युश्रा | ३३ ७३ |
| १०३ देवीर्द्वारोअश्वि | २१ ४९ | १४१ देव्यावध्वर्युश्राग | ३३ ३३ |
| १२७ देवीर्द्वारोवयोध | २८ ३६ | १२३ देव्याहोताराऊर्ध्व | २७ १८ |
| १२६ देवीस्तिस्रस्तिस्रोदेवीः | २८ १८ | १३१ देव्याहोताराप्रथमा | २८ ३२ |
| १०३ देवीस्तिस्रस्तिस्रोदेवीः | २१ ५४ | १०० देव्याहोताराभिषजे | २१ १८ |
| १२८ देवीस्तिस्रस्तिस्रो | २८ ४१ | १९ चांमालेखी | ५ ४३ |
| १४६ देवेननोमनसा | ३४ २३ | १४७ द्युभिरक्तुभिः | ३४ ३० |
| १४२ देवेभ्योहिप्रथम | ३३ ५४ | १५१ द्यौशान्तिरन्त | ३६ १७ |
| १०३ देवोअग्निःस्विष्ट | २१ ५८ | १११ द्यौरासीत् | २३ ५४ |
| १२८ देवोअग्निःस्विष्ट | २८ ४५ | १०९ द्यौरासीत् | २३ १२ |
| कृदेवमिन्द्रव | २८ ४५ | १११ द्यौस्तेपृथिव्यन्त | २३ ४३ |
| १२६ देवोअग्निस्विष्ट | २८ २२ | ४४ द्यौस्तेपृष्ठं | ११ २० |
| कृदेवमि | २८ २२ | ५६ द्रप्सश्चस्कन्द | १३ ५ |
| १०३ देवोदेवैर्वनस्पति | २१ ५६ | १२१ द्रविणोदाःपिपी | २६ २२ |
| १२६ देवोदेवैर्वनस्पति | २८ २० | ७३ द्रापेअन्धसस्पते | १६ ४७ |
| १२८ देवोनराशंसोदेवमिन्द्रं | २८ ४२ | ९५ द्रुपदादिवमुमु | २० २० |
| वयोधसं | २८ ४२ | ४७ द्वयःसर्पिरा | ११ ७० |

| पृ० | अ० मं० | पृ० | अ० मं० |
|-----------------------|--------|-----------------------|--------|
| १२३ द्वारोदेवीरन्व | २७ १६ | १४० द्वेविरूपेचरतः | ३३ ५ |
| ११० द्विपदायाश्चतुष्प | २३ ३४ | ९० द्वेष्टतीअश्रुणवम् | १६ ४७ |

ध

| | |
|--------------------------------|---------------------------------|
| १३१ धन्वनागाधन्वनाजिम् २९ ३९ | ११४ धूभावभ्रुनीकाशाः २४ १८ |
| १५४ धर्तादिवोविभाति ३७ १६ | २ धूसिधूर्वधूर्वन्तं १ ८ |
| ३१ धातारातिःसवितेदं ८ १७ | ३ धृष्टिरस्यपाग्ने १ १७ |
| ८६ धानाःकरम्भःसक्तवः १६ २१ | ६१ ध्रुवक्षितिर्ध्रुवयोनिर १४ १ |
| ८९ धानानाथरूपम् १६ २२ | ३५ ध्रुवसदन्त्वा ९ १ |
| ६६ धानावन्तंकरम्भिणां २० २६ | ५७ ध्रुवासिधरुणास्तृता १३ १६ |
| ३ धान्यमसि १ २० | ५८ ध्रुवासिधरुणेतोजज्ञे १३ ३४ |
| ८७ धामच्छदग्निरिन्द्रो १८ ७६ | १८ ध्रुवासिध्रुवोऽयं ५ २८ |
| ८० धामन्तेविश्वंभुवनम् १७ ६६ | १७ ध्रुवोसिऽसिपृथिवीं ५ १३ |
| ११३ धूम्रान्वसन्तायालभते २४ ११ | |

न

| | |
|------------------------------|-------------------------------|
| १०७ नक्षत्रेभ्यःस्वाहा २२ २८ | ७२ नमश्चाशवेचाजिरा १६ ३१ |
| ४९ नक्तोषासासमनसा १२ २ | ७२ नमऽण्णीषिणोगिरि १६ २२ |
| ७९ नक्तोषासासमनसा १७ ७० | ७२ नमःकपर्दिनेच १६ १६ |
| ७७ नतंविदाथयइमा १७ ३१ | ७३ नमःकूप्यायच १६ ३८ |
| १४८ नतद्रक्षाथसिनपिशा ३४ ५१ | ७१ नमःकृत्स्नायतयाधावते १६ २० |
| १३७ नतस्यप्रतिमाअस्ति ३२ ३ | ७३ नमःपर्णायच १६ ४६ |
| १४६ नेतेदूरेपरमाचिद् ३४ १६ | ७३ नमःपार्यायचावार्याय १६ ४२ |
| १२४ नत्वावाँ२॥अन्यो २७ ३६ | ७३ नमःशङ्गवेच १६ ४० |
| १३३ नदीभ्यःपौञ्जिष्ठ ३० ८ | ७३ नमःशम्भवायच १६ ४१ |
| ६२ नभश्चनभस्यश्च १४ १५ | ७३ नमः शुष्कयायच १६ ४५ |

| पृ० | अ० मं० | पृ० | अ० मं० |
|-------------------------------|--------|-----------------------------|--------|
| ७२ नमःश्वभ्यः | १६ ३८ | ७४ नमोऽस्तुरुद्रेभ्योयेधृधि | १६ ६६ |
| ७२ नमःसभाभ्यः | १६ २४ | ५६ नमोऽस्तुसर्पेभ्यो | १३ ६ |
| ७३ नमःसिकत्यायच | १६ ४३ | ७१ नमोहिरण्यवाहवेसेना | १६ १७ |
| ५२ नमःसुतेनिर्ऋते | १२ ६३ | ७२ नमोद्वस्त्रायच | १६ ३० |
| ७२ नमःसेनाभ्यः | १६ २६ | ६८ नयत्परोनान्तरः | २० ८२ |
| ७२ नमःसोभ्यायच | १६ ३३ | ९६ नराशथसःप्रतिशूरो | २० ३७ |
| ७२ नमःक्षुत्यायच | १६ ३७ | १३० नराशथसस्यमहिमान | २६ २७ |
| ७१ नमस्तत्रायुधाया | १६ १४ | १३४ नर्मयपुंःचतुः | ३० २० |
| ७२ नमस्तत्तभ्यां | १६ २७ | ६३ नवदशभिरस्तुवत | १४ ३० |
| १५२ नमस्तेअस्तुविद्युते | ३६ २१ | ६३ नवभिरस्तुवत | १४ २९ |
| ७० नमस्तरुद्रमन्यव | १६ १ | ६४ नवविधंशत्यास्तुवत | १४ ३१ |
| ७६ नमस्तेहरसेशोचिषे | १७ ११ | १०६ नवाउएतन्म्रियसे | २३ १६ |
| १५२ नमस्तेहरसेशोचिषे | ३६ २० | ११९ नवाउएतन्म्रियसे | २५ ४४ |
| ७२ नमोगणोभ्यो | १६ २५ | १० नहितेषाममाचन | ३ ३२ |
| ७२ नमोज्येष्ठायच | १६ ३२ | १४२ नहिस्पशमविदन्न | ३३ ६० |
| ७२ नमोघृणवेच | १६ ३६ | ८८ नानाहिवादेवहितथ | १६ ७ |
| ७१ नमोवभ्लुशायव्याधि | १६ १८ | ४७ नाभापृथिव्याः | ११ ७६ |
| ७२ नमोविल्मिनेच | १६ ३५ | ६५ नाभिर्मैचित्तं | २० ९ |
| १४ नमोभिन्नस्यवरुणस्य | ४ ३६ | १३६ नाभ्याआसीदन्तारित्तं | ३१ १३ |
| ७१ नमोरोहितायस्थपतये | १६ १९ | ११० नार्यस्तेपत्न्योलोम | २३ ३६ |
| ७ नमोवःपितरोरसाय | २ ३२ | ५४ नाशयित्रीविलासस्या | १२ ६७ |
| ७१ नमोवञ्चतेपरिवञ्चते | १६ २१ | ११८ निक्रमणंनिषदनं | २५ ३८ |
| ७२ नमोवन्यायच | १६ ३४ | १२३ नियुत्वान्वायवागहि | २७ २६ |
| ७३ नमोवात्यायच | १६ ३६ | ५३ निवेशनःसङ्गमनो | १२ ६६ |
| ७२ नमोविसृजद्भ्यो | १६ २३ | ४१ निषसादधृतव्रतो | १० २७ |
| ७३ नमोव्रज्यायच | १६ ४४ | ९४ निषसादधृतव्रतो | २० २ |
| ७१ नमोऽस्तुनीलग्रीवाय | १६ ८ | ४५ निहोताहोतृषदने | ११ ३६ |
| ७४ नमोऽस्तुरुद्रेभ्योयेज्जन्त | १६ ६६ | ७४ नीलग्रीवाःशिति- | |
| ७४ नमोऽस्तुरुद्रेभ्योयेदिवि | १६ ६४ | कण्ठादिवधः | १६ ५६ |

| पृ० | अ० | मं० | पृ० | अ० | मं० |
|----------------------|----|-----|-----------------|----|-----|
| ७४ . नीलग्रीवाःशितिक | | | १३३ नृत्तायमृतं | ३० | ६ |
| एठाःशर्वाअधः | १६ | ५७ | ७६ नृपदेवेद् | १७ | १२ |

प

| | | | | | |
|--------------------------------|----|----|-------------------------|----|-----|
| ७८ पञ्चादिशोर्द्वीर् | १७ | ५४ | २१ परिवीरसिपरित्वा | ६ | ६ |
| १४६ पञ्चनयःसरस्वती | ३४ | ११ | ८८ परीतोपिञ्चतामुतः | १९ | २ |
| १११ पञ्चस्वन्तःपुरुषावित्रेप२३ | ५२ | | १३८ परीत्यभूतानि | ३२ | ११ |
| १४७ पथस्यथःपरिपति | ३४ | ४२ | १५० परीमेगामनेषत | ३५ | १८ |
| ८५ पयःपृथिव्यांपय | १८ | ३६ | ७७ पयोदिवापरएनापृथि | १७ | १६ |
| ९२ पयसाशुक्रममृतम् | १९ | ८४ | ९० पवमानःसोअद्यनः | १९ | ४२ |
| ८६ पयसोरूपयद्यवा | १९ | २३ | ९० पवित्रेणपुनीहिमा | १६ | ४० |
| १५६ पयसोरेतआभृतं | ३८ | २८ | २ पवित्रेस्थोवैष्णव्यौ | १ | १२ |
| १४९ परंमृत्योअनुपरेहि | ३५ | ७ | ४० पवित्रेस्थोवैष्णव्यौ | १० | ६ |
| ४७ परमस्याःपरावतो | ११ | ७२ | ८९ पशुभिःपशूनामोति | १९ | २० |
| ६९ परमेष्ठीत्वासादयतुदि | | | ८४ पष्ट्वादृषमं | १८ | २७ |
| वस्पृष्टेज्योतिष्मतीम् | १५ | ५८ | ११३ पष्ट्वाहोविराज | २४ | १३ |
| ६९ परमेष्ठीत्वासादयतु | | | ६७ पातन्नोअभिनादिवा | २० | ६२ |
| दिवस्पृष्टेज्यवस्वती | १५ | ६४ | ७६ पावकयायश्चितयन्त्या | १७ | १० |
| ३३ परमेष्ठ्यभिधीतः | ८ | ५४ | ५४ पावकवर्चाः | १२ | १०७ |
| ४७ परस्याअधिसंवतो | ११ | ७१ | ९८ पावकानःसरस्वती | २० | ८४ |
| १० परितेदूहभोरथो | ३ | ३६ | १२४ पाहिनोअग्नएकया | २७ | ४३ |
| ७१ परितेधन्वनोहेतिर | १६ | १२ | १५४ पितानोऽसिपितानो | ३७ | २० |
| १८ परित्वागिर्वणो | ५ | २९ | १४६ पितुंनुस्तोषं | ३४ | ७ |
| ४४ परित्वाग्नेपुरं | ११ | २६ | ६० पितृभ्यःस्वधाधिभ्यः | १६ | ३६ |
| १३८ परिद्यावापृथिवीसद्य | ३२ | १२ | १२३ पीवोअन्नारयिवृधः | २७ | २३ |
| ७३ परिनोरुद्रस्यहेतिर्वृण | १६ | ५० | ४२ पुत्रमिवपितराव | १० | ३४ |
| १४ परिमाग्नेदुश्चरिताद् | ४ | २८ | ६८ पुत्रमिवपितराव | २० | ७७ |
| ४४ परिवाजपतिः | ११ | २५ | ६० पुनन्तुमादेवजनाः | १९ | १६ |

| पृ० | अ० | मं० | पृ० | अ० | मं० |
|----------------------------|----|-----|--------------------------------|----|-----|
| ६० पुनन्तुमापितरःसो | १६ | ३७ | ८७ पृष्टोदिविपृष्टोअग्निः | १८ | ७३ |
| ५१ पुनरासद्यसदनम् | १२ | ३९ | ६५ पृष्टीर्मेराष्टम् | २० | ८ |
| ५० पुनरूर्जा | १२ | ६ | १० प्रधासिनोहवामहे | ३ | ४४ |
| ५१ पुनरूर्जा | १२ | ४० | ११४ प्रजापतयेचवायवेच | २४ | ३० |
| ११ पुनर्नःपितरोमनो | ३ | ५५ | १०५ प्रजापतयेत्वाजुष्टंमोक्षार | २२ | ५ |
| १३ पुनर्मनःपुनरायुर् | ४ | १५ | ११४ प्रजापतयेपुरुषान् | २४ | २६ |
| ५१ पुनस्त्वाऽऽदित्यारुद्रा | १२ | ४४ | १५७ प्रजापतिःसम्भ्रयमा | ३९ | ५ |
| ८८ पुनातितेपरिच्युतः | १६ | ४ | ८५ प्रजापतिर्विश्वकर्मा | १८ | ४३ |
| ३ पुराकूरस्यविसृपो | १ | २८ | १३६ प्रजापतिश्चरतिगर्भे | ३१ | १९ |
| ५२ पुरीण्यासोअग्नयः | १२ | ५० | ५७ प्रजापतिश्चासादयत्व | १३ | १७ |
| ४५ पुरीण्योऽसिविश्वभरा | ११ | ३२ | ४१ प्रजापतेनत्वदेतान्य | १० | २० |
| ३२ पुरदस्मोविषुरूप | ८ | ३० | ११२ प्रजापतेनत्वदेतान्य | २३ | ६५ |
| १३५ पुरुषएवेदःसर्व | ३१ | २ | १२६ प्रजापतेस्तपसावावृथा | २६ | ११ |
| ११५ पुरुषमृगश्चन्द्रमसो | २४ | ३५ | १४९ प्रजापतौत्वादेवतायाम् | ३५ | ६ |
| ११ पूर्णादिविपरापत | ३ | ४६ | १७ प्रतद्विष्णुस्तवते | ५ | २० |
| ११७ पूषणंविनिष्ठुना | २५ | ७ | १३७ प्रतद्वोचेदमृतंनु | ३२ | ६ |
| १४७ पूषन्तवन्नतैवयं | ३४ | ४१ | ६५ प्रतित्तत्रेप्रतितिष्ठामि | २० | १० |
| ३७ पूषापञ्चाक्षरेण | ९ | ३२ | ६६ प्रतपदसिप्रतपदे | १५ | ८ |
| १११ पृच्छामित्वाचितये | २३ | ४९ | १४ प्रतपन्यामपद्माहि | ४ | २६ |
| १११ पृच्छामित्वाप्रमन्तं | २३ | ६१ | १३४ प्रतिश्रुत्कायाअर्तनं | ३० | १६ |
| ३ पृथिविदेवयजन्योषध्या | १ | २५ | ५७ प्रतिस्पशोविसृज | १३ | ११ |
| ८३ पृथिवीचमइन्द्रश्च | १८ | १८ | ४० प्रतीचीमारोह | १० | १२ |
| ६२ पृथिवीछन्दोन्तरिक्षं | १४ | १९ | ४४ प्रतूर्जवाजिन्नाद्रव | ११ | १२ |
| ७६ पृथिव्याअहमुदन्तरिक्षं | १७ | ६७ | ४४ प्रतूर्वमेहि | ११ | १५ |
| ६१ पृथिव्यापुरीषमस्यप् | १४ | ४ | १ प्रत्युष्टंरक्षः | १ | ७ |
| ४४ पृथिव्यासधस्थाद् | ११ | १६ | ४ प्रत्युष्टंरक्षः | १ | २६ |
| १०७ पृथिव्यैस्वाहा | २२ | २९ | ६५ प्रथमाद्वितीयैः | २० | १२ |
| ११३ पृथिस्तिरथीनंपृथिः | २४ | ४ | १२९ प्रथमावात्सरथिना | २६ | ७ |
| ११८ पृषदश्वामरुतः | २५ | २० | १४८ प्रनूनं ब्रह्मणस्पतिः | ३४ | ५७ |

| पृ० | अ० सं० | पृ० | अ० सं० |
|----------------------------|--------|--------------------------------|--------|
| ३७ प्रनोयच्छत्वर्ग्यमा | ९ २६ | १०६ प्राच्यैदिशेस्वाहा | २२ २४ |
| ४१ प्रपर्वतस्य | १० १६ | ६१ प्राणम्मेषाहि | १४ ८ |
| ५१ प्रप्रायमग्निः | १२ १४ | ७६ प्राणदाअपानदा | १७ १२ |
| १०० प्रवाहवासिसृतं | २१ ६ | ९६ प्राणयामेअपानपाश | २० ३४ |
| १४६ प्रमन्महेशवसानाय | ३४ १६ | ८२ प्राणश्चमेऽपानश्च | १८ २ |
| ७१ प्रमुञ्चधन्वनस्त्वम् | १६ ६ | २६ प्राणायमेवर्चोदा | ७ २७ |
| १२३ प्रयाभिर्यासिदादवा | २७ २७ | १०६ प्राणायस्वाहापानाय | २२ २३ |
| १४४ प्रवइन्द्रायवृहते | ३३ ६६ | १४७ प्रातरग्निं प्रातरिन्द्राय | ३४ ३४ |
| १४२ प्रवायुमच्छावृहती | ३३ ५५ | १४७ प्रातर्जितं भगम् | ३४ ३५ |
| १४१ प्रवावृजेसुप्रयावर्हिः | ३३ ४४ | ७८ प्रेताजयतानरइन्द्रो | १७ ४६ |
| १४३ प्रवीरयाशुचयो | ३३ ७० | ५१ प्रेदग्नेज्योतिष्मान् | १२ ३२ |
| १४० प्रवोमहेमन्दमानाया | ३३ २३ | ७६ प्रेदोअग्नेदीदिहि | १७ ७६ |
| १४६ प्रवोमहेमहि | ३४ १७ | १४४ प्रैतुव्रक्षणास्पतिः | ३३ ८६ |
| ५१ प्रसद्यभस्मनायोनिम् | १२ ३८ | ४५ प्रैतुवाजीकानिऋदन् | ११ ४६ |
| ८६ प्रस्तरेणपरिधिना | १८ ६३ | ८९ प्रैषेभिः प्रैपानामोति | १९ १६ |
| २३ प्रागपागुदग | ६ ३६ | ६९ प्रोथदश्वनयवसेऽवि | १६ ६२ |
| १३० प्राचीनं बर्हिःप्रदिशा | २६ २६ | ३३ प्रोक्षमाणः सोमभागंतो | ८ ५६ |
| ७६ प्राचीमनुप्रदिशंमेहि | १७ ६६ | | |

व

| | | | |
|-------------------------|-------|---------------------------|-------|
| १४१ वट्सूर्यश्रवसा | ३३ ४० | ९६ वृहदिन्द्रायगायत | २० ३० |
| १४१ वरुणमहो२॥ असिसूर्य | ३३ ३६ | १४० वृहन्निदिध्मण्यां | ३३ २४ |
| ९१ वहिसदः पितरः | १६ ५५ | १२० वृहस्पते अतियदयो | २६ ३ |
| ७७ बलविज्ञायः स्थविरः | १७ ३७ | ७७ वृहस्पते परिदीया | १७ ३६ |
| १३१ बहीनां पिता वरुणस्य | २९ ४२ | ३६ वृहस्पते वाजं जय | ९ ११ |
| ६५ बाहूमेव लामिन्द्रियं | २० ७ | १२२ वृहस्पते सवितर्वोधयैन | २७ ८ |
| १३४ बीभत्सायै पौलकसं | ३० १७ | ५१ बोधामेअस्य | १२ ४२ |

| पृ० | अ० | मं० | पृ० | अ० | मं० |
|----------------------------|----|-----|-------------------------|----|-----|
| ८८ ब्रह्मक्षत्रं पवते | १६ | ५ | १४३ ब्रह्माग्निमेतयः | ३३ | ७८ |
| ५६ ब्रह्मजज्ञानं | १३ | ३ | २८ ब्राह्मणमद्याविदेय | ७ | ४६ |
| १४८ ब्रह्मणस्पते | ३४ | ५८ | १३१ ब्राह्मणासः पितरः | ३६ | ४७ |
| १३३ ब्रह्मणो ब्राह्मणं | ३० | ५ | १३६ ब्राह्मणोऽस्य मुखमा | | |
| १११ ब्रह्मसूर्यसमं ज्योतिः | २३ | ४८ | सीद् | ३१ | ११ |

भ

| | | | | | |
|---------------------------|----|----|------------------------------|----|----|
| १४७ भगएव भगवाँ २॥ | ३४ | ३८ | ५७ भुवो यज्ञस्य | १३ | १५ |
| १४७ भगप्रणेतर्भग | ३४ | ३६ | ६७ भुवो यज्ञस्य | १५ | २३ |
| ११८ भद्रं कर्णेभिः | २५ | २१ | २ भूता यत्वा | १ | ११ |
| ६८ भद्रा उत प्रशस्तयो | १५ | ३६ | ११४ भूम्या आखूना | २४ | २६ |
| ६८ भद्रो नो अग्निराहुतो | १५ | ३८ | ५७ भूरसि भूमिरस्य | १३ | १८ |
| १४ भद्रो मेऽसि प्रच्यवस्व | ४ | ३४ | १० भूर्भुवः स्वः सुप्रजाः | ३ | ३७ |
| १६ भवतन्नः समनसौ | ५ | ३ | १५१ भूर्भुवः स्वः | ३६ | ३ |
| ५२ भवतन्नः समनसौ | १२ | ६० | ९ भूर्भुवः त्वद्यौ रिव भूमना | ३ | ५ |
| १३४ भायै दार्वारं | ३० | १२ | ११ भेषजमसि | ३ | ६६ |
| ८५ भुज्युः सुपर्णो | १८ | ४२ | | | |

म

| | | | | | |
|------------------------|----|----|---------------------------|----|----|
| १५३ मखस्याशिरोऽसि | ३७ | ८ | १२३ मध्वाय ज्ञं नक्षत्रे | २७ | १३ |
| १०७ मधवे स्वाहा माधवाय | २२ | ३१ | १५७ मतसः काममाकूति | ३९ | ४ |
| ५८ मधुनक्तमुतोषसो | १३ | २८ | २१ मनस्तत्राप्यायतां | ६ | १५ |
| २५ मधुमतीर्नृषत्कृधि | ७ | २ | ६ मनोज्ञतिर्जुषतामाज्यस्य | २ | १३ |
| ५८ मधुमान्नो वनस्पति | १३ | २६ | २५ मनोनयेषु | ७ | १७ |
| ५८ मधुवाता ऋतायते | १३ | २७ | ११ मनोन्वाह्वामहे | ३ | ५३ |
| ५७ मधुश्च माधवश्च | १३ | २५ | २२ मनोमेतर्पयत. | ६ | ३१ |

| पृ० | अ० | मं० | पृ० | अ० | मं० |
|----------------------------|----|-----|---------------------------|----|------|
| १३४ मन्यवेऽयस्तापं | ३० | १४ | १० मानःशंसो | ३ | ३० |
| ५९ मयिगृह्णाम्यग्रेअग्निः | १३ | १ | ७१ मानस्तोकेतनये | १६ | १६ - |
| १५६ मयित्यादिन्द्रियंवृहन् | ३८ | २७ | ७१ मानोमहान्तमुत्त | १६ | १५ |
| ६ मयीदमिन्द्रइन्द्रियं | २ | १० | ११८ मानोमित्रोवरुणो | २५ | २४ |
| ११४ मयुःप्राजापत्यउलो | २४ | ३१ | २२ मापोमौषधीर्हिथ | ६ | २२ |
| ११७ मरुताऽस्कन्धा | २५ | ६ | ३ माभेर्मासंवित्रथा | १ | २३ |
| ३२ मरुतोयस्यद्विज्ञये | ८ | ३१ | २३ माभेर्मासंवित्रथा | ६ | ३५ |
| २७ मरुत्वन्तंरूपं | ७ | ३६ | ५४ मामां हिथसीज्जनिता | १२ | १०२ |
| २७ मरुत्वाँ२॥इन्द्रवृषभो | ७ | ३८ | ५४ मावोरिषत्खनिता | ११ | ६४ |
| ७८ मर्माणितेवर्मणा | १७ | ४६ | ४७ मासुभित्यामा | ११ | ६८ |
| ११६ मशकान्केशैः | २५ | ३ | २१ माहिभूर्मा | ६ | १२ |
| २७ महौ२॥इन्द्रोनुवदा | ७ | ३९ | ३१ माहिर्भूर्मा | ८ | २३ |
| २७ महौ२॥इन्द्रोयजसा | ७ | ४० | १४२ मित्रथुवेपूतदत्तं | ३५ | ५७ |
| १२१ महौ२॥इन्द्रोवज्रहस्तः | २६ | १० | ४६ मित्रसथुसृज्य | ११ | ५३ |
| ११० महानामन्योरेवेत्यो | २३ | ३५ | ८३ मित्ररुचम | १८ | १७ |
| १० महित्रीणामवोऽस्तु | ३ | ३१ | ४७ मित्रस्यचर्पणीधृतो | ११ | ६२ |
| ३२ महीद्यौःपृथिवीच | ८ | ३२ | १८ मित्रस्यमा | ५ | ३४ |
| ५८ महीद्यौःपृथिवीच | १३ | ३२ | २६ मित्रावरुणाभ्यांत्वा | ७ | २३ |
| १२ महीनाम्पयाऽसि | ४ | ३ | १४ मित्रोनएहि | ४ | २७ |
| १०० महीमूषुमातरथ | २१ | ५ | ३७ मित्रोनवाक्षरेण | ९ | ३३ |
| १४० महोअग्नेःसमि | ३३ | १७ | ७३ मीढुष्टमशिवतम | १६ | ५१ |
| ६८ महोअर्णःसरस्वती | २० | ८६ | ९३ मुखथसदस्य | १६ | ८८ |
| ६५ माच्छेन्दःप्रमा | १४ | १८ | ५४ मुञ्चन्तुमाशप | १२ | ९० |
| ४१ मातइन्द्रलेखयं | १० | २२ | २६ मूर्धानन्दिबो | ७ | २४ |
| ११० माताचतेपिताचतेऽग्रम् | २३ | २४ | १४० मूर्धानन्दिबो | ३३ | ८ |
| ११० माताचतेपिताचतेऽग्रे | २३ | २५ | ६२ मूर्धावियःप्रजापतिः | १४ | ९ |
| ५२ मातेवपुत्रं | १२ | ६१ | ६३ मूर्धासिराद् | १४ | २१ |
| ११८ मात्वाग्निध्वनयी | २५ | ३७ | ८६ मृगानभीमः | १८ | ७१ |
| ११९ मात्वांतपत्प्रियं | २५ | ४३ | १३८ मंधामिवरुणोददातु | ३२ | १५ |
| | | | १० मोपूणऽइन्द्रात्रपृत्सु | ३ | ४६ |

य

| पृ० | अ० मं० | पृ० | अ० मं० |
|-------------------------|--------|-------------------------|--------|
| ११७ यश्चात्मदाबलदायस्य | २५ ३३ | ११८ यत्तैगात्रादग्नि | २५ ३४ |
| ९८ यइन्द्रइन्द्रियंदधुः | २० ७० | १३६ यत्पुरुषंयदधुः | ३१ १० |
| ७६ यइमाविश्वा | १७ १७ | १३६ यत्पुरुषेणहविषा | ३१ १४ |
| १३१ यइमेधावापृथिवी | २६ ३४ | १४५ यत्प्रज्ञानमुतचेतो | ३४ ३ |
| ७४ यएतावन्तश्च | १६ ६३ | ८६ यत्रधारा | १८ ६५ |
| १३७ यंकृन्दसीभवसा | ३२ ७ | ७८ यत्रवाणाः | १७ ४८ |
| ५३ यन्तेदेवीनिर्ऋति | १२ ६५ | ६६ यन्नब्रह्मचक्षत्रं च | २० २५ |
| ६ यंपरिधिपर्यधत्था | २ १७ | ६६ यन्नेन्द्रस्यवायुश्च | २० २६ |
| १०६ यःप्राणतोनिमिषतो | २३ ३ | ५३ यत्रौपधीः | १२ ८० |
| ११७ यःप्राणतोनिमिषतो | २५ ११ | १२० यथेमांवाचं | २६ २ |
| ११० यकासकौशकुन्तिका | २३ २२ | १३० यदक्रन्दःप्रथमं | २६ १२ |
| ११० यकोऽसकौशकुन्तक | २३ २३ | ४७ यदग्नेकानिकानि | ११ ७३ |
| १३९ यजानोमित्रावरुणा | ३३ ३ | ४७ यदत्त्युपजिहिका | ११ ७४ |
| ८६ यजुर्भिराप्यन्ते | १६ २८ | ९० यदन्नरिप्तं | १६ ३५ |
| १४५ यज्जाग्रतोदूरमु | ३४ १ | १४१ यदद्यकच्चवृत्र | ३३ ३५ |
| ३१ यज्ञयज्ञकृच्छ्र | ८ २२ | १४० यदद्यसूरउदिते | ३३ २० |
| ३४ यज्ञस्यदोहोविततः | ८ ६२ | ११८ यदश्वस्यक्रविषो | २५ ३२ |
| १२४ यज्ञायज्ञावो | २७ ४२ | ११६ यदश्वाय | ३५ ३९ |
| १३६ यज्ञेनयज्ञमयजन्त | ३१ १६ | ११० यदस्याश्रं | २३ २८ |
| ३० यज्ञोदेवानाम् | ८ ४ | ८६ यदाकूतात् | १८ ५८ |
| १४३ यज्ञोदेवानाम् | ३३ ६८ | ८६ यदापिपेष | १९ ११ |
| १०५ यतेस्वाहाधावते | २२ ८ | ९५ यदापोऽन्नयाइति | २० १८ |
| १५२ यतोयतःसमीहसे | ३६ २२ | १४८ यदाबध्नन्दाक्षायाणा | ३४ ५२ |
| ९० यत्तेपवित्र | १९ ४१ | ९५ यदिजाग्रद्यदि | २० १६ |
| ११६ यत्तेसादेमहसा | २५ ४० | ९५ यदिदिवा | २० १५ |
| २२ यत्तेसोमदिविज्योतिः | ६ ३३ | ५३ यदिमावाजयन् | १२ ८५ |

| पृ० | अ० मं० |
|---------------------------|--------|
| ११८ यद्वध्यमुदरस्या | २५ ३३ |
| १० यद्ग्रामेयदरण्ये | ३ ४५ |
| १५ यद्ग्रामेयदरण्ये | २० १७ |
| ८६ यद्वत्तयत्परा | १८ ६४ |
| ९५ यदेवादेवहेडनं | २० १४ |
| ११० यदेवासो | २३ ५६ |
| ११० यद्वरिणो०शूद्रायदर्य | २३ ३० |
| ११० यद्वरिणो०शूद्रायदर्या | २३ ३१ |
| ११८ यद्विष्यपृतुशो | २५ २७ |
| ११८ यद्वाजिनोदामसन्दा | २५ ३१ |
| १०६ यद्वातोअपो | २३ ७ |
| १२१ यद्वाहिष्ठन्तदग्ने | २६ १२ |
| ८२ यन्ताचमे | १८ ७ |
| ६३ यन्त्रीराह् | १४ २२ |
| ११८ यन्निर्णिजा | २५ २५ |
| ११८ यन्नाक्षणं | २५ ३६ |
| १५१ यन्मेच्छिद्रं चक्षुषो | ३६ २ |
| ९१ यमग्नेकव्यवाहन | १९ १४ |
| २२ यमग्नेपृतुमर्त्य | ६ २९ |
| ९० यमश्विनानमुचे | १६ ३४ |
| ९८ यमश्विनासरस्वती | २० ६८ |
| १५५ यमायत्वाङ्गिरस्वते | ३८ ९ |
| १५३ यमायत्वामखायत्वा | ३७ ११ |
| १३४ यमाययमसूम | ३० १५ |
| १५८ यमायस्वाहान्तकाय | ३९ १३ |
| १३० यमेनदत्तत्रित | २६ १३ |
| ६३ यवानांभागोऽस्य | १४ २६ |
| १२३ यश्विदापो | २७ २६ |
| १२६ यस्तुसर्वाणिभू | ४० ६ |

| पृ० | अ० मं० |
|--------------------------|--------|
| ५१ यस्तेअद्यकृणवद्भ | १२ २६ |
| २० यस्तेअश्वसनि | ८ १२ |
| २६ यस्तेद्रप्सस्कन्दति | ७ २६ |
| ९० यस्तेरसःसम्भृत | १९ ३३ |
| १५५ यस्तेस्तनःशशयो | ३८ ५ |
| १३७ यस्माज्जातंनपुराकिं | ३२ ५ |
| ३२ यस्मान्नजातः | ८ ३६ |
| १५६ यस्मिन्तसर्वाणिभूता | ४० ७ |
| ९८ यस्मिन्नश्वासश्चभमा | २० १७८ |
| १४६ यस्मिन्नुचःसामयजुश्च | ३४ ५ |
| ७८ यस्यकुर्मोमृहेद्वि | १७ ५२ |
| ४३ यस्यप्रयाणम् | ११ ६ |
| १४३ यस्यायंविश्व | ३३ ८२ |
| ५२ यस्यास्तेघोरश्वास | १२ ६४ |
| ११७ यस्येमेहिमवन्तो | २५ १२ |
| ३१ यस्यैतेयज्ञियो | ८ २६ |
| ५३ यस्याषधीः | १२ ८६ |
| ५६ याइषवोयातुधाना | १३ ७ |
| ५३ याओषधीःपूर्वाजाता | १२ ७५ |
| ५४ याओषधीःसोमराज्ञी | १२ ९२ |
| ५४ याओषधीसोमराज्ञीर्वि | १२ ६३ |
| ३१ याँरा॥आवहउषतो | ८ १६ |
| १३८ याँमेधाँदेवगणाः | ३२ १४ |
| ५४ याःफलिनीः | १२ ८६ |
| ४७ याःसेनाअभीत्वरी | ११ ७७ |
| १६ यातेअग्नेअयःशया | ५ ८ |
| १५६ यातेधर्मदिन्याशुग्या | ३८ १८ |
| ७६ यातेधामानिपरमाणि | १७ २१ |

| पृ० | अ० मं० |
|--------------------------|--------|
| १५ यातेधामानिहविषा | ४ ३७ |
| २० यातेधामान्युप्मसि | ६ ३ |
| ७० यातेरुद्रशिवातनूः | १६ २ |
| ७३ यातेरुद्रशिवातनूः | १६ ४९ |
| ७१ यातेहेतिमीहुष्टम | १६ ११ |
| ७० यमिषुंगिरिणं | १६ ३ |
| १५६ यावतीद्यावापृथिवी | ३८ २६ |
| २५ यावाङ्कशा | ७ ११ |
| ५७ यावोदेवाःसूर्ये | १३ २३ |
| ८५ यावोदेवाःसूर्येरुचो | १८ ४७ |
| ८९ याव्याघ्रविशुचिकोभौ | १९ १० |
| ५७ याशतेनप्रतनोशि | १३ २१ |
| ५४ याश्चेदमुपभृण्वन्ति | १२ ९४ |
| ५७ यास्तेअग्नेसूर्येरुचो | १३ २२ |
| ८५ यास्तेअग्नेसूर्येरुचो | १८ ४६ |
| ४२ युक्तेनमनसा | ११ २ |
| ४३ युक्त्वायसविता | ११ ३ |
| ५८ युक्त्वाहिदेवहतमा | १३ ३७ |
| १३६ युक्त्वाहिदेवहतमा | ३३ ४ |
| १२ युक्त्वाहिकेशिना | ८ ३४ |
| ४३ युजेवां ब्रह्म | ११ ५ |
| १७ युज्जतेमनउत | ५ १४ |
| ४३ युज्जतेमनउत | ११ ४ |
| १५३ युज्जतेमनउत | ३७ २ |
| १०९ युज्जन्तिब्रह्मरुषं | २३ ५ |
| १०६ युज्जन्त्यस्य नाम्या | २३ ६ |
| ४४ युज्जाथःशिरासं | ११ १३ |
| ४३ युज्जानःप्रथमं | ११ १ |

| पृ० | अ० मं० |
|-------------------------|--------|
| ५३ युनक्तसीरा | १२ ६८ |
| ३३ युवन्तमिन्द्रापर्वता | ८ ५३ |
| ४१ युवश्शुगममशिवना | १० ३३ |
| ६८ युवश्शुरा | २० ७६ |
| २ युष्माइन्द्रोवृणीत | १ १३ |
| ११८ युषवःकाउत्तयेयूप | २५ २६ |
| ६१ येअग्निष्वात्ताये | १६ ६० |
| ९१ येचेहपितरोयेचनेह | १९ ६७ |
| ४७ येजनेषुमलिम्लवः | ११ ७६ |
| ७४ येतीर्थानिप्रचरन्ति | १६ ६१ |
| १५७ येतेपन्थाःसविता | ३४ २७ |
| १४२ येत्वाहिहत्येमघवन् | ३३ ६३ |
| ३८ येदेवाअग्निनेत्राः | ६ ३६ |
| ७६ येदेवादेवानां | १७ १३ |
| ७६ येदेवादेवेष्व | १७ १४ |
| २६ येदेवासोदिव्येकादश | ७ १९ |
| ६८ येनऋषयस्तपसा | १५ ४९ |
| ६१ येनःपूर्वेपितरः | १६ ५१ |
| १४८ येनःसप्रत्नाअपते | ३४ ४६ |
| १४५ येनकर्मःएयपसोमनी | ३४ २ |
| १३७ येनद्यौरुग्रा | ३१ ६ |
| ६९ येनवहसिसहस्रं | १५ ५५ |
| ८६ येनवहसिसहस्रं | १८ ६२ |
| ६८ येनासमन्सुसासहो | १५ ४० |
| १४१ येनापावकचक्षसा | ३३ ३२ |
| १४५ येनेदंभूतंभुवनं | ३४ ४ |
| ७४ येऽन्नेषुविविध्यन्ति | १६ ६२ |
| ७४ येपथाम्पाथिरक्त | १६ ६० |

| पृ० | अ० मं० | पृ० | अ० मं० |
|--------------------------|--------|----------------------|--------|
| ७४ येभूतानामधिपत्यो | १६ ५६ | ५८ यो अग्निरग्नेरध्य | १३ ४५ |
| ७ ये रूपाणिप्रतिमुञ्च | २ ३० | ४७ योअस्मभ्यभराती | ११ ८० |
| ११८ येवाजिनंपरिप | २५ ३५ | ४४ योगेयोगेतव | ११ १४ |
| ५६ येवामीरोचनेदि | १३ ८ | १३६ योदेवेभ्यआतपति | ३१ २० |
| ३४ येवृक्षेषुशष्पिञ्जराः | १६ ५८ | ७७ योनःपिताजनितायोवि | १७ २७ |
| १० येषामध्येतिप्रवस | ३ ४२ | ९६ योभूतानामधिपतिः | २० ३२ |
| ९० येसमानाः समनसःपित | १६ ४५ | १० योरेवान्योऽअमीवहा | ३ २९ |
| ६० येसमानाःसमनसोजीवा | १६ ४६ | ४६ योवःशिवतमोरसः | ११ ५१ |
| ६१ योअग्निःकव्यवाहनः | १६ ६५ | १५१ योवःशिवतमोरसः | ३६ १५ |

र

| | | | |
|-------------------------|-------|--------------------------|-------|
| २१ रक्षसांभागोऽसि | ६ १६ | १०६ रातिंशसत्पतिं | २२ १३ |
| १८ रक्षोहणंवल्लगहनं | ५ २३ | २५ रायावयंशससवांशो | ७ १० |
| १८ रक्षोहणोवोवल्लगहनः | ५ २५ | १२३ रायंनुयंजज्ञतू | २७ २४ |
| १२१ रक्षोहाविश्वचर्षाणे | २६ २६ | ८५ रुचंनोधेहिब्राह्म | १८ ४८ |
| ११० रजताहरिणीः | १३ ३७ | १३६ रुचंनह | ३१ २१ |
| १३१ रथवाहनंरुहवि | २६ ४५ | ४६ रुद्राःसंशसृज्यपृथिवी | ११ ५४ |
| १३१ रथेतिष्ठयति | २९ ४३ | २८ रूपेणवोरूपं | ७ ४५ |
| ८३ रयिश्चमेरायश्च | १८ १० | ६२ रेतोमूत्रंविजहाति | १९ ७६ |
| ६५ रश्मिनासत्यायसत्यं | १५ ६ | ९ रेवतीरमध्वम् | ३ २१ |
| ६ राजन्तमध्वराणा | ३ २३ | २१ रेवतीरमध्वम् | ६ ८ |
| ६२ राक्ष्यसिमाचीदिग् | १४ १३ | ११३ रोहितोधूम्ररोहितः | २४ २ |
| ६६ राक्ष्यसिमाचीदिग्व | १५ १० | | |

ल

| | | | |
|-------------------|-------|-----------|-------|
| ५३ लाङ्गलंपवीरवत् | १२ ७१ | ५२ लोकपूण | १२ ५४ |
|-------------------|-------|-----------|-------|

| पृ० | अ० मं० | पृ० | अ० मं० |
|----------------------|--------|-----------------|--------|
| ६९ लोकंपृण | १५ ५६ | ६५ लोमानिप्रयति | २० १३ |
| १५८ लोमभ्यःस्वाहालोम | ३६ १० | | |

व

| | | | |
|--------------------------------|-------|-------------------------------|-------|
| १३१ वक्षन्तिवेदागनी | २६ ४० | ११४ वसुभ्यः ऋष्यान् | २४ २७ |
| ६६ वनस्पतिरवसृष्टो | २० ४५ | ६ वसुभ्यस्त्वारुद्रेभ्यस्त्वा | २ १६ |
| १२३ वनस्पतेभवसृजा | २७ २१ | ६३ वसूनां भागोऽसि | १४ २५ |
| १३२ वनस्पतेवीड्वङ्गो | ३६ ५२ | २ वसोपवित्रमसि | १ २ |
| १४ वनेषुव्यन्तरिक्षं | ४ ३१ | २ वसोपवित्रमसिशतधारं | १ २ |
| ८७ वयन्तेभ्यश्चरारिमा | १८ ७५ | १४ वस्यस्यदितिरस्य | ४ २१ |
| ८० वयं नाम प्रव्रवाम | १७ ६० | १५० वहवर्षां जातवेदः | ३५ २० |
| ११ वयं सोमव्रते | ३ ५६ | २१ वाचं तेषु न्धाभि | ६ १४ |
| ३१ वयं हित्वा | ८ २० | २४ वाचस्पतये पवस्व | ७ १ |
| ६८ वरुणः क्षत्रमिन्द्रियं | २० ७२ | ३३ वाचस्पतिं विश्वकर्माणं | ८ ४५ |
| १४२ वरुणः प्राविताभुव | ३३ ४६ | ७७ वाचस्पतिं विश्व | १७ २३ |
| १५ वरुणस्योत्तम्भनमसि | ४ ३६ | १५७ वाचे स्वाहा प्राणाय | ३६ ३ |
| ५८ वरुर्नीत्वष्टु | १३ ४४ | ८५ वाजः पुरस्तादुत | १८ ३४ |
| १०१ वर्षाभिर्ऋतूनां | २१ २५ | ८२ वाजश्च मे प्रसवश्च | १८ १ |
| ११५ वर्षाहुर्ऋतूनां | २४ ३८ | ३७ वाजस्यनु प्रसव | ६ २५ |
| ११४ वसन्ताय कपिञ्ज | २४ २० | ८४ वाजस्यनु प्रसवे | १८ ३० |
| १०० वसन्तेन ऋतुना | २१ २३ | ७९ वाजस्यमा प्रसव उद्ग्रा | १७ ६३ |
| ३७ वसवस्त्रयोदशाक्षरेण | ६ ३४ | ३७ वाजस्येमां प्रसवः | ९ २३ |
| ४६ वसवस्त्वाकृण्वन्तु | ११ ५८ | ३७ वाजस्येमां प्रसवः शिशि | ६ २४ |
| ४७ वसवस्त्वाकृण्वन्तु | ११ ६५ | ८४ वाजाय स्वाहा प्रसवाय | १८ २८ |
| १०६ वसवस्त्वाञ्जन्तु ग्रायत्रे | २३ ८ | ३६ वाजे वाजेऽवत वाजिनो | ९ १८ |
| ४६ वसवस्त्वाधूपयन्तु | ११ ६० | १०० वाजे वाजेऽवत वाजिनो | २१ ११ |
| ८३ वसुचमेव सतिश्चमे | १८ १५ | १८४ वाजोनः सप्तमदि | १८ ३३ |

| पृ० | अ० | मं० | पृ० | अ० | मं० |
|-------------------------|----|-----|-------------------------------|----|-----|
| ८५ वाजिनोअद्यप्रसुवा | १८ | ३३ | १८ विभ्रगसिप्रवाहणो | ५ | ३१ |
| ११६ वातंमाणेनापानेन | २५ | २ | १०६ विभ्रमात्रामभूः | २२ | १६ |
| ३५ वातरध्दाभव | ६ | ८ | १४१ विभ्राहृदत्पिवत् | ३३ | ३० |
| ५८ वातस्यजृति | १३ | ४२ | ७८ विमानेणपदित्रो | १७ | ५६ |
| १०६ वातायस्याहाभ्रमाय | २२ | २६ | ५३ विमुच्यध्वम् | १२ | ७३ |
| ३५ वातोवामनोवा | ९ | ७ | ६६ विराडसिदक्षिणादिग् | १५ | ११ |
| ३० वाममद्यसावितर | ८ | ६ | ५७ विराहज्योतिरधार | १३ | २४ |
| ८६ वायव्यैर्वायव्या | १६ | २७ | ३० विवस्यन्नादित्ये | ८ | ५ |
| १४६ वायुःपुनातुसविता | ३५ | ३ | ७६ विश्वकर्मन्हविषा | १७ | २२ |
| १२३ वायुरग्नेगाथश् | २७ | ३१ | ३१ विश्वकर्मन्हविषा- | | |
| १५९ वायुरनिलममृत | ४० | १५ | वर्द्धनेन | ८ | ४६ |
| १०६ वायुप्रापचतैरव | २३ | १३ | ७७ विश्वकर्मन्हविषावर्द्ध | १७ | २४ |
| ८८ वायोःपूतःपवित्रेण | १९ | ३ | ६२ विश्वकर्मात्वासादय | १४ | १४ |
| १२४ वायोयेतेसहस्रिणो | २७ | ३२ | ६२ विश्वकर्मात्वासादयात्वन्त- | | |
| १२३ वायोशक्रोअयामिते | २७ | ३० | रिक्तस्यपृष्ठेव्याचस्वती | १४ | १२ |
| ८६ वार्त्रहत्याया | १८ | ६८ | ७७ विश्वकर्माविमना | १७ | २६ |
| ७३ विकिरिद्रविलोहित | १६ | ५२ | ७७ विश्वकर्माक्षजनिष्ठ | १७ | ३२ |
| ७१ विज्यंधनुःरुपर्दिनो | १६ | १० | ७६ विश्वतरचक्षुरुतविश्वतो | १७ | १८ |
| ८३ वित्तश्चमेवेद्यश्चमे | १८ | ११ | ५७ विश्वस्मैगाणायापाना | १३ | १९ |
| १४२ विदद्यदीसरमा | ३३ | ५९ | ५० विश्वस्यकेतुः | १२ | २३ |
| ५० विशातेअग्नेत्रेधा | १२ | १९ | ६८ विश्वस्यदूतममृतं | १५ | ३३ |
| १५६ विद्याश्चाविद्याश्च | ४० | १४ | ८६ विश्वस्यमूर्द्धन्धि | १८ | ५५ |
| ११७ विधृतिनाभ्या | २५ | ६ | १५५ विश्वाआशादक्षिणा | ३८ | १० |
| ७९ विधेमतेपरमे | १७ | ७५ | १३३ विश्वानिदेवसवितर | ३० | ३ |
| ३२ विनइन्द्रमृधोजहि | ८ | ४४ | ४९ विश्वारूपाणि | १२ | ३ |
| ८९ विनइन्द्रमृधोजहि | १८ | ७० | १५४ विश्वासांभुवाम्पते | ३७ | १८ |
| ४६ विपाजसापृथुना | ११ | ४९ | ८४ विश्वेअद्यमरुतो | १८ | ३१ |
| १३३ विभक्तारंहवामहे | ३० | ४ | १४२ विश्वेअद्यमरुतो | ३३ | ५२ |

| पृ० | अ० | मं० | पृ० | अ० | मं० |
|----------------------------|----|-----|------------------------|----|-----|
| ३३ विश्वेदेवांशुषु | ८ | ५७ | १११ वेदाहमस्यभुवनस्य | २३ | ६० |
| १४१ विश्वेदेवांशुषुते | ३३ | ५३ | १३६ वेदाहमेतंपुरुषं | ३१ | १८ |
| ३३ विश्वेदेवाथमसे | ८ | ५८ | ६२ वेदेनरूपेव्यविवत् | १६ | ७८ |
| २७ विश्वेदेवासआगत | ७ | ३४ | ६ वेदोसियेन | २ | २१ |
| १४० विश्वेभिःसोम्यस्मध्व | १३ | १० | ८९ वेद्यावेदिःसमाप्यते | १९ | १७ |
| १४० विश्वेषामदितिर्यज्ञिया | ३३ | १६ | १३७ वेनस्तत्पश्यन् | ३२ | ८ |
| १३ विश्वोदेवस्यनेतु | ४ | ८ | ६० वैश्वदेवीपुनती | १६ | ४४ |
| ४७ विश्वोदेवस्यनेतु | ११ | ६७ | १२० वैश्वानरस्यसुमतौ | २६ | ७ |
| २१ विष्णोःकर्माणिपश्यत | ६ | ४ | ८७ वैश्वानरोनऊतये | १८ | ७२ |
| ५८ विष्णोःकर्माणिपश्यत | १३ | ३३ | १२० वैश्वानरोनऊतये | २६ | ८ |
| ५० विष्णोक्रमोऽसि | १२ | ५ | १३० व्यचस्वतीरुर्विया | २६ | ३० |
| १७ विष्णोरराटमसि | ५ | २१ | १३ व्रतंकृणुताग्नि | ४ | ११ |
| १७ विष्णोर्नुकंवीर्याणि | ५ | १८ | ८३ व्रतञ्चमऋतवश्च | १८ | २३ |
| ७८ वीतं हविःशमित | १७ | ५७ | ८९ व्रतेनदीक्षामामोति | १६ | ३० |
| ५ वीतिहोत्रंत्वाकवे | २ | ४ | ८३ ब्रीह्यश्चमेयवाश्च | १८ | १२ |
| ३६ वृष्णऊर्मिरसि | १० | २ | ३३ ब्रेशीनांत्वा | ८ | ४८ |

श

| | | | | | |
|------------------------|----|----|---------------------|----|----|
| ८२ शंचमेमयश्च | १८ | ८ | ११८ शतमिन्नुशरदो | २५ | २२ |
| १११ शंतेपरेभ्योगात्रे | २३ | ४४ | १०० शमितानोवनस्पतिः | २१ | २१ |
| १५१ शन्नोदेवीरभिष्टय | ३६ | १२ | ४५ शर्मचस्थोवर्मच | ११ | ३० |
| ३६ शन्नोभवन्तुवाजिनो | ९ | १६ | २ शर्मास्यवधूतं | १ | १४ |
| १०० शन्नोभवन्तु | २१ | १० | ३ शर्मास्यवधूतं | १ | १९ |
| १५१ शन्नोमित्रःशंवरुणः | ३६ | ६ | ११६ शादंदद्भिरव | २५ | १ |
| १५१ शन्नोवातःपवतां | ३६ | १० | १०१ शारदेनऋतुना | २१ | २६ |
| १४९ शंवातःशं हिते | ३५ | ८ | ९४ शिरोमेश्रीर्यशो | २० | ५ |
| ५३ शतंवोश्चमधामानि | १२ | ७६ | ११३ शिल्पावैश्वदेवो | २४ | ५ |

| पृ० | अ० मं० | पृ० | अ० मं० |
|------------------------|--------|--------------------------|--------|
| ७८ शिवेनवचसात्वा | १६ ४ | १०१ शैशिरेणऋतुना | २१ २८ |
| ११ शिवोनामासिस्वधिति | ३ ६३ | १४१ आयन्तइवसूर्ये | ३३ ४१ |
| ४५ शिवोभवमजाभ्यो | ११ ४५ | ५० श्रीणामुदारो | १२ २२ |
| ५० शिवोभूत्वामहामग्ने | १२ १७ | १३६ श्रीश्चतेलक्ष्मीश्च | ३१ २२ |
| ४ शुक्रन्त्वाशुक्रेण | ४ २६ | १४० शुधिश्रुत्करणःबहि | ३३ १५ |
| ७९ शुक्रज्योतिश्चचित्र | १७ ८० | २३ श्वात्राःस्थवृत्रतुरो | ६ ३४ |
| ६१ शुक्रश्चशुचिश्च | १४ ६ | १३ श्वात्राःपिताभवता | ४ १२ |
| ११३ शुद्धबालः | २४ ३ | ११५ शिवत्रादित्यानां | २४ ३३ |
| ५३ शून्यंमुफालाविकृ | १२ ६९ | | |

प

| | | | |
|------------------|-------|------------------------|------|
| १११ षडस्यविष्टाः | २३ ५८ | ६५ षोडशीस्तोमःओजोद्रवि | १५ ३ |
|------------------|-------|------------------------|------|

स

| | | | |
|------------------------|--------|------------------------|-------|
| ६८ सइधानोवसुष्कवि | १५ ३६ | १५६ सम्भूतिञ्चविनाशश्च | ४० ११ |
| ७७ सइषुहस्तैःस | १७ ३४ | ८५ सम्मासृजामिपयसा | १८ ३५ |
| ७७ संक्रन्दनेनानिमिषेण | १७ ३४ | १२४ सँवत्सरोसिपरिवत्स | २७ ४५ |
| १२२ संवेध्यस्वाग्ने | २७ २ | ७ संवर्चसापयसा | २ २४ |
| ५२ संज्ञानमसि | १२ ४६ | ३१ संवर्चसापयसा | ८ १४ |
| ५५ सन्तेपयाधंसि | १२ ११३ | ३१ संवर्चसापयसा | ८ १६ |
| २१ सन्तेप्नोमनसा | ६ १८ | ४५ सम्बसायःस्वविदा | ११ ३१ |
| ४५ सन्तेवायुः | ११ ३९ | ५२ सम्बामनाधंसि | १२ ५८ |
| ९ सन्त्वमग्नेसूर्यस्य | ३ १९ | ४७ सधंशितमेव्रह्म | ११ ८१ |
| १३३ सन्धयेजारम् | ३० ६ | १०६ सधंशितोरश्मिना | २३ १४ |
| ६९ सम्प्रच्यवध्वमुप | १५ ५३ | ६८ सधंसमिद्युवेवृष | १५ ३० |
| ६ सम्बर्हिर्ह्नाधं | २ २१ | ४५ सधंसीदस्वमहां॥ | ११ ३७ |

| पृ० | अ० मं० | पृ० | अ० मं० |
|-----------------------------|--------|--------------------------|--------|
| ४६ संस्कृतसंस्कृतसु | ११ ५५ | २५ सप्रथमोदृहस्पति | ७ १५ |
| ६ संस्कृतसंस्कृतभागा | २ १८ | ५१ सचोधिसुरि | १२ ४३ |
| ९ संस्कृतहितासिविश्व | ३ २२ | १४ समख्येदेव्याधिया | ४ २३ |
| ८५ संस्कृतहितोविश्वसामा | १८ ३६ | १५४ समग्निःग्निनागता | ३७ १५ |
| ६८ सखायःसंवःसम्यञ्च | १५ २६ | १४७ समध्वरायोपगो | ३४ ३६ |
| ४५ सजातोगर्भोअसि | ११ ४३ | १२२ समास्त्वाग्नःकृतवो | २७ १ |
| ५३ सजूरब्दोअयवोभिः | १२ ७४ | ५२ समितं सङ्कल्पेधां | १२ ५७ |
| ६१ सजूर्नृतुभिःसजूर्विधा | १४ ७ | ५ समिदसिमूर्धस्त्वा | २ ५ |
| ९ सजूर्देवेनसवित्रा | ३ १० | ९६ समिद्धइन्द्रउपसा | २० ३६ |
| २७ सजोपाइन्द्रसगणो | ७ ३७ | ७८ समिद्धेअग्नावधि | १७ ५५ |
| ८२ सत्यश्चमेश्रद्धाच | १८ ५ | १०० समिद्धोअग्निःसमिधा | २१ १२ |
| ३३ सत्रस्यऋद्धिरस्य | ८ ५२ | ६७ समिद्धोअग्निरश्विना | २० ५५ |
| १२४ सत्त्वंनश्चित्रवज्रहस्त | २७ ३८ | १२६ समिद्धोअज्जनकृद | २६ १ |
| १०० सत्त्वंनोअवमोभवो | ११ ४ | १३० समिद्धोअग्रमनुषो | २६ २५ |
| १३८ सदसस्पतिमद्भुतं | ३२ १३ | ८ समिधार्गिन्दुवस्यत | ३ १ |
| ६८ सदुद्रवत्स्वाहुतः | १५ ३४ | ५१ समिधार्गिन्दुवस्यत | १२ ३० |
| १३१ सद्योजातोव्यमि | २९ ३६ | ३१ समिन्द्राणोमनसा | ८ १५ |
| ४० सधमादोद्युम्निनी | १० ७ | २२ समुद्रंगच्छ | ६ २१ |
| १२१ सनइन्द्राययज्यवे | २६ १७ | ७६ समुद्रस्यत्वावक | १७ ४ |
| ७६ सनःपावकदीदिवो | १७ ६ | ८० समुद्रादूर्मी | १७ ८९ |
| १० सनःपितेवसूनवे | ३ २४ | १५५ समुद्रायत्वावाताय | ३८ ७ |
| ३४ सन्नःसिन्धुरवभृथा | ८ ५९ | ११४ समुद्रायशशुमारान् | २४ २१ |
| १३७ सनोबन्धुर्जनिता | ३२ १० | ३१ समुद्रेतेहृदयमस्वन्तः | ८ २५ |
| ८५ सनोभुवनस्यपते | १८ ४४ | ६५ समुद्रेतेहृदय | २० १६ |
| १५६ सपर्यगाच्छुक्रमका | ४० ८ | ५० समुद्रेत्वानृमणा | १२ २० |
| १४८ सप्तऋषयःप्रतिहिताः | ३४ ५५ | ८५ समुद्रोऽसिनभस्वा | १८ ४५ |
| ७६ सप्ततेअग्नेसमिधः | १७ ७९ | १८ समुद्रोऽसिविश्वव्यचा | ५ ३३ |
| १३६ सप्तास्यासन्नपरिधयः | ३१ १५ | ५८ सम्यक्श्रवन्तिसारितो | १३ ३८ |
| | | ८० सम्यक्श्रवन्ति | १७ ९४ |

| पृ०. | अ० मं० | पृ० | अ० मं० |
|---------------------------|--------|------------------------------|--------|
| ६६ सम्राडसिपतीचीदिगा | १५ १२ | १४६ सिनीवालिपृथुष्टुके | ३४ १० |
| १२३ सयज्ञदस्यमहिमानं | २७ १५ | ४६ सिनीवालीसुकपदा | ११ ५६ |
| ६२ सरस्वतीमनसापंशि | १६ ८३ | ८० मिन्धांरिवपाध्वने | १७ ६५ |
| ६३ सरस्वतीयोण्यां | १९ ९४ | ५० सीदत्वंपातु | १२ १५ |
| १३४ सगोभ्योधैवरं | ३० १६ | ४५ सीदहोतःस्वउलोके | ११ ३५ |
| १३७ सर्वेनिमेषायज्ञिरे | ३२ २ | ५३ सीरायुञ्जन्ति | १२ ६७ |
| १४६ सवितातेशरीराणि | ३५ ५ | ६२ सीसेनतन्त्रंमनसा | १६ ८० |
| १४६ सवितातेशरीरेभ्यः | ३५ २ | ११६ सुगव्यंनोवाजी | २५ ४५ |
| ३८ सवितात्वासवानाथं | ६ ३६ | ३१ सुगावोदेवः | ८ १८ |
| १५७ सविताप्रथमेऽह्न | ३९ ६ | ४५ सुजातोऽज्योतिषा | ११ ४० |
| ६८ सवितावरुणोदधद | २० ७१ | १०० सुत्रामाणंपृथिवीं | २१ ६ |
| ४ सवितुस्त्वाप्रसवउत्पुना | १ ३१ | १०० सुनावमारुहेयं | २१ ७ |
| ४१ सवित्राप्रसवित्रा | १० ३० | १३१ सुपर्णवस्तेमृगो | २९ ४८ |
| ८६ सहदानुमपुरुहूत | १८ ६६ | ११५ सुपर्णःपार्जन्य | २४ ३४ |
| ५० सहरय्यानि | १२ १० | ४६ सुपर्णोऽसिगरुत्मा | १२ ४ |
| ५१ सहरय्यानिवर्त्त | १२ ४१ | ७९ सुपर्णोऽसिगरुत्मान्पृष्ठे | १७ ७२ |
| १०६ सहव्यवाडमर्त्यः | २२ १६ | २५ सुप्रजाःप्रजाः | ७ १८ |
| ६३ सहश्चसहस्यश्च | १४ २७ | १०० सुवर्हिरग्निःपूष | २१ १५ |
| ६५ सहसाजातान्प्रणुदा | १५ २ | १११ सुभूःस्वयम्भूः | २३ ६३ |
| १४८ सहस्तोमाःसह | ३४ ४६ | १५० सुमित्रियानश्चाप | ३५ १२ |
| १३५ सहस्रशीर्षापुरुषः | ३१ १ | १५२ सुमित्रियानश्चाप | ३६ २३ |
| ६६ सहस्रस्यप्रमासि | १५ ६५ | १५६ सुमित्रियानश्चाप | ३८ २३ |
| ७३ सहस्राणिसहस्रशो | १६ ५३ | ६० सुरावन्तंवर्हिषदं | १६ ३२ |
| ५४ सहस्वमेअरातीः | १२ ६६ | २५ सुवीरोवीरान् | ७ १३ |
| ५४ साकंयक्ष्म | १२ ८७ | १४६ सुषारथिरश्वानिव | ३४ ६ |
| २ साविश्वायुः | १ ४ | ८५ सुषुम्णःसूर्यरश्मि | १८ ४० |
| १७ सिध्वासिसपत्नस | ५ १० | १०६ सुप्रतिष्ठसुमतिवृधो | २२ १२ |
| १७ सिध्वासित्वाहा | ५ १२ | ११ सुसंद्दशंत्वावयं | ३ ५२ |
| ६६ सिञ्चन्तिपरिधि | २० २८ | ६ सुसमिद्धायशोचिपे | ३ २ |

| पृ० | अ० मं० | पृ० | अ० मं० |
|-----------------------------|--------|--------------------------------|--------|
| १०४ सूपस्थाश्रयदेवोवन | २१ ६० | १५० स्योनापृथिविनोभवा | ३५ २१ |
| १०६ सूर्यएकाकीचरति | २३ १० | १५१ स्योनापृथिविनोभवा | ३६ १३ |
| १११ सूर्यएकाकीचरति | २३ ४६ | ४१ स्योनासिसुपदासि | १० २६ |
| ३९ सूर्यवचसस्थ | १० ४ | ८३ सुचश्चमेचगसाश्च | १८ २१ |
| ७८ सूर्यरश्मिर्हरिकेश | १७ ५८ | १०५ स्वगात्वादेवेभ्यःप्रजा | २२ ४ |
| १४ सूर्यस्यचक्षुरारोहा | ४ ३२ | ८० स्वतर्वाश्चप्रधासी | १७ ८५ |
| ६८ सोअग्निर्योवसुर्ग | १५ ४२ | ७ स्वयम्भूरसिश्चेष्टो | २ २६ |
| ३७ सोमश्चाजानमवसे | ६ २६ | १०६ स्वयंवाजिथस्तन्वं | २३ १५ |
| २६ सोमःपवते | ७ २१ | १८ स्वराडसिसपत्नहा | ५ २४ |
| १२ सोममद्भ्योव्यपिव | १९ ७४ | ६६ स्वराडश्चुदीचीदिङ्मरु | १५ १३ |
| २२ सोमराजन्विश्वा | ६ २६ | ८५ स्वर्णधर्मःत्वाहा | १८ ५० |
| ४० सोमस्यत्वाद्युमनेना | १० १७ | ७९ स्वरयन्तोनापेक्षन्त | १७ ६८ |
| ४० सोमस्यत्विषिरसि | १० ५ | ११७ स्वस्तिनइन्द्रोवृद्धश्चवाः | २५ १९ |
| ४० सोमस्यत्विषिरसि | १० १५ | २४ स्वाङ्कृतोसि | ७ ३ |
| ८६ सोमस्यरूपंकृतस्य | १९ १५ | २५ स्वाङ्कृतोऽसि | ७ ६ |
| १० सोमानश्चस्वर्णं | ३ २८ | १२१ स्वादिष्ठेयामदिष्ठया | २६ २५ |
| ११४ सोमायकुलुङ्ग | २४ ३२ | १३१ स्वादुशश्चसदःपित | २६ ४६ |
| ११४ सोमायलवाना | २४ २४ | ८८ स्वाद्वीत्वास्वाङ्कुना | १९ १ |
| ११४ सोमायहथसाना | २४ २२ | १५५ स्वाहापूष्णेशरसे | ३८ १५ |
| १४६ सोमोधेनुश्चसोमोअर्व | ३४ २१ | १५७ स्वाहाप्राणेभ्यःसाधि | ३६ १ |
| ६२ सोमोराजाअमृतश्च | १६ ७२ | १५४ स्वाहामरुद्भिःपरिश्री | ३७ १३ |
| ११४ सौरीवलाका | २४ ३३ | १३ स्वाहायज्ञम्मनसा | ४ ६ |
| १२९ स्तीर्णैर्बर्हिःसुष्टरी | २९ ४ | १०० स्वाहायज्ञंवरुणाः | २१ २२ |
| ५७ स्तोकाणामिन्दुं प्रति | २० ४६ | १५६ स्वाहारुद्राय रुद्रहूत | ३८ १६ |
| ४५ स्थिरोभववीड्वङ्गः | ११ ४४ | ६१ स्वैर्दक्षैर्दक्षपितेह | १४ ३ |

ह

| पृ० | अ० मं० | पृ० | अ० मं० |
|-------------------------------|--------|-----------------------------|--------|
| १३९ हरयोधूमकेतवो | ३३ २ | १२५ होतायज्ञत्समिधेन्द्र | २८ १ |
| ८६ हविर्धानंयदश्विना | १९ १८ | १०२ होतायज्ञत्सरस्वती | २१ ४४ |
| २२ हविष्मतीरिमाआपो | ६ २३ | १२७ होतायज्ञत्सुपेषसोसुशि | २८ २६ |
| ४४ हस्तंआधायसविता | -११ ११ | १०१ होतायज्ञत्सुपेशसो | २१ ३५ |
| १०५ हिङ्गारायस्वाहा | २२ ७ | १२७ होतायज्ञत्सुवर्हिषं | २८ २७ |
| ७६ हिमस्यत्वाजरायुणा | १७ ५ | १०१ होतायज्ञत्सुरेतस | २१ ३८ |
| १५९ हिरण्ययेनपात्रेण | ४० १७ | १२७ होतायज्ञत्सुरेतसंत्व | २८ ३२ |
| ५६ हिरण्यगर्भःसमवर्तता | १३ ४ | १२७ होतायज्ञत्स्वाहाकृती | २८ ३४ |
| १०८ हिरण्यगर्भःसमवर्त | २३ १ | १०२ होतायज्ञदग्निस्वाहा | २१ ४० |
| ११७ हिरण्यगर्भः समवर्त | २५ १० | १०३ होतायज्ञदग्निस्विष्टकृ | २१ ४७ |
| १४७ हिरण्यपाणिःसविता | ३४ २५ | १०२ होतायज्ञदश्विनौछा | २१ ४१ |
| १०६ हिरण्यपाणिमृतये | २२ १० | १०२ होतायज्ञदश्विनौछाग | २१ ४३ |
| ४० हिरण्यरूपाउषसो | १० १६ | १०२ होतायज्ञदश्विनौसर | २१ ४२ |
| १३० हिरण्यशृङ्गोयोअस्य | २९ २० | १२६ होतायज्ञदिडाभिरिन्द्रं | २८ ३ |
| १४७ हिरण्यहस्तोअसुरः | ३४ २६ | १०१ होतायज्ञदिडेडित | २१ ३२ |
| २२ हृदेत्वामनसेत्वा | ६ २५ | १२७ होतायज्ञदीडेन्य | २८ २६ |
| १५४ हृदेत्वामनसेत्वा | ३७ १६ | १२६ होतायज्ञदिन्द्रधंस्वाहा | २८ ११ |
| १०१ हेमन्तेनश्रुतुना | २१ २७ | १०२ होतायज्ञदिन्द्रमृषभ | २१ ४५ |
| ११८ होताध्वर्युरावया | २५ २८ | १२६ होतायज्ञदुषेइन्द्रस्य | २८ ६ |
| १२६ होतायज्ञत्तनूनपात | २८ २५ | १२६ होतायज्ञदोजोनवीर्यं | २८ ५ |
| १२६ होतायज्ञत्तनूनपातपूति | २८ २ | १०१ होतायज्ञदुरोदिशः | २१ ३४ |
| १०१ होतायज्ञत्तनूनपात् | २१ ३० | १०१ होतायज्ञद्वैव्याहो | २१ ३६ |
| १०१ होतायज्ञत्तिस्रोदेवी | २१ ३७ | १२५ होतायज्ञद्वैव्याहो | २८ ७ |
| १२६ होतायज्ञत्तिस्रो | २८ ८ | १०१ होतायज्ञद्वर्हि | २१ ३३ |
| १२६ होतायज्ञत्त्वष्टारमिन्द्र | २८ ९ | १२५ होतायज्ञद्वर्हिषीन्द्रं | २८ ४ |
| १२७ होतायज्ञत्पेशस्वती | २८ ३१ | १०२ होतायज्ञद्वनस्पति | २१ ३६ |
| १५७ होतायज्ञत्प्रचेतसादेवा | २८ ३० | १२५ होतायज्ञद्वनस्पति | २८ १० |
| ११२ होतायज्ञत्प्रजापतिसोम | २३ ६४ | १२७ होतायज्ञद्वनस्पति | २८ ३३ |
| १०१ होतायज्ञत्समिधाग्नि | २१ २९ | १०२ होतायज्ञद्वनस्पतिमभि | २१ ४६ |
| १२६ होतायज्ञत्समिधानां | २८ २४ | १२७ होतायज्ञद्व्यश्वस्वतीः | २८ २८ |
| | | १०१ होतायज्ञनराशधंस | २१ ३१ |

यजुर्वेदस्य प्रत्यध्यायं पृथक् पृथक् मन्त्राणां संख्या ।

| अध्यायाः | मन्त्र संख्या | अध्यायाः | मन्त्र संख्या |
|--------------|---------------|-----------------------|---------------|
| प्रथमः | ३१ | त्रयोविंशतिमः | ६५ |
| द्वितीयः | ३४ | चतुर्विंशतिमः | ४० |
| तृतीयः | ६३ | पञ्चविंशतिमः | ४८ |
| चतुर्थः | ३७ | षड्विंशतिमः | २६ |
| पञ्चमः | ४३ | सप्तविंशतिमः | ४५ |
| षष्ठमः | ३७ | अष्टाविंशतिमः | ४६ |
| सप्तमः | ४८ | उन्विंशतिमः | ६० |
| अष्टमः | ६३ | त्रिंशतिमः | २२ |
| नवमः | ४० | एकत्रिंशतिमः | २२ |
| दशमः | ३४ | द्वात्रिंशतिमः | १६ |
| एकादशः | ८३ | त्रयस्त्रिंशतिमः | ९७ |
| द्वादशः | ११७ | चतुस्त्रिंशतिमः | ६८ |
| त्रयोदशः | ५८ | पंचत्रिंशतिमः | २२ |
| चतुर्दशः | ३१ | षड्त्रिंशतिमः | २४ |
| पञ्चदशः | ६५ | सप्तत्रिंशतिमः | २१ |
| षोडशः | ६६ | अष्टात्रिंशतिमः | २८ |
| सप्तदशः | ९९ | उन्चत्वारिंशतिमः | १३ |
| अष्टादशः | ७७ | चत्वारिंशतिमः | १७ |
| उन्विंशतिमः | ९५ | सर्वमन्त्राणां संख्या | १९७६ |
| विंशतिमः | ९० | | |
| एकविंशतिमः | ६१ | | |
| द्वाविंशतिमः | ३४ | | |

वैदिक पुस्तकालय अजमेर की विक्रय पुस्तकों का सूचीपत्र व

बेचने के संक्षिप्त नियम ॥

(१) सब पुस्तकें रोक दाम पेशगी भेजने पर या वी, वी, द्वारा भेजी जावेंगी
 (२) मूलवेदों पर (जिल्द की क्रीमत व सुनहरी वेदों को छोड़) २ सेट पर २०) २१ पर २२)
 और १०० पर ३०) सैकड़ा और शेष सब पुस्तकों पर १०) रुपये वा इस से अधिक
 के पुस्तक मंगवाने वालों को २०) सैकड़े के हिसाब से कमीशन दिया जायगा अर्थात् ८) में
 १०) की पुस्तकें, १००) रोक भेजने पर १२२) की पुस्तकें भेजी जावेंगी (३)
 महसूल सब पुस्तकों का अलग लिया जावेगा (४), बिके हुए पुस्तक वापिस न
 लिये जावेंगे (५) मूल्य आदि भेजने तथा बड़ा सूचीपत्र मंगवाने के लिये नीचे लिखे
 पते से पत्र व्यवहार करें ॥

| | मूल्य. | डा. |
|--|--------|-----|
| ऋग्वेदभाष्य पहले मंडल से सातवें मंडल के पांचवे अंकके पांचवें अध्याय से तीसरे वर्ग के दूसरे मंत्र तक क्रीमत | २०) | |
| कमीशन २०) सैकड़ा दिया जावेगा | | |
| नोट फुटकर अंक नहीं बेचे जावेंगे | | |
| ऋग्वेद का भाग का शेष मूल भाग | १) | |
| ऋग्वेदभाष्य का नमूना | ॥ | ॥ |

| | मूल्य | डा. |
|-------------------------------------|---------|-----|
| यजुर्वेदभाष्य सम्पूर्ण | १०) | |
| कमीशन २०) सैकड़े से दिया जावेगा | | |
| नोट—फुटकर नहीं बेचे जावेंगे | | |
| चारों मूलवेदः— | | |
| बढ़िया कागज पर स्वर्णाक्षरों में ८) | | |
| बढ़िया कागज पर बिना जिल्द ५॥) | | |
| साधारण कागज पर बिना जिल्द ५) | | |
| बढ़िया जिल्द के २) अलग | | |
| चारोंवेदों की अनुक्रमणिका | १॥) =)॥ | |
| शतपथ ब्राह्मण सम्पूर्ण | ४) ॥ | |
| ऋग्वेदादिभाष्य भूमिका | १॥) =) | |

| मूल्य. डा. | मूल्य. डा. |
|--|--|
| ऋग्वेदादिभाष्य भूमिका सजिल्द १।।।) १) | वेदान्तिध्वान्तनिवारण नागरी)।।)।। |
| वेदाङ्गप्रकाश सम्पूर्ण (१४ भाग) ४।३)।। ।३)।। | वेदान्तिध्वान्तनिवारण अङ्गरेजी -))।। |
| वेदाङ्गप्रकाश का व्यौरा:— | आर्य्योद्देश्यरत्नमाला नागरी)।)।। |
| वर्णोच्चारण शिक्षा)।-)।। | आर्य्योद्देश्यरत्नमाला मरहटी -))।। |
| सन्धिविषय १-))।। | गोकरुणानिधि -))।। |
| नामिक १))।। | स्वामी नारायणमतखं० संस्कृत गुज.-)।।)।। |
| कारकीय ३-))।। | स्वामी नारायणमतखं० सं० नागरी -)।।)।। |
| सामासिक १))।। | स्वमन्तव्यामन्तव्यप्रकाश नागरी)।।)।। |
| त्रिणताद्धित ॥-) -) | स्वमन्तव्यामन्तव्यप्रकाश अङ्गरेजी)।)।। |
| अव्ययार्थ -)।।)।। | आर्य्याभिविनय गुटका ३-))।। |
| सौवर -)।।)।। | आर्य्याभिविनय सजिल्द १-) -) |
| आख्यातिक १।) ३-)।। | आर्य्याभिविनय मोटे अक्षरों की १-) ३-) |
| पारिभाषिक ३-))।। | अन्तिनिवारण -))।। |
| धातुपाठ १))।। | पञ्चमहायज्ञविधि -)।।)।। |
| गणपाठ ३-))।। | पञ्चमहायज्ञविधि साधारण जिल्द ३-)।।)।। |
| उणादिकोष १।) -) | पञ्चमहायज्ञविधि बढ़िया ३-))।। |
| निघण्टु १))।। | आर्य्यसमाज के नियमोपनियम)।)।। |
| निरुक्त ११-) -)।। | सत्यार्थप्रकाश साधा० कागज नागरी १) १) |
| अष्टाध्यायीमूल ३-)।।)।। | सत्यार्थप्रकाश साधा० सजिल्द ,, १।।) १-) |
| संस्कृतवाक्यप्रबोध ३-))।। | सत्यार्थप्रकाश बढ़िया ,, १।।।) १-) |
| व्यवहारभानु ३-))।। | सत्यार्थप्रकाश बढ़िया सजिल्द ,, १।) १-) |
| हवनमन्त्र १।)।। | सत्यार्थप्रकाश वङ्ग भाषा में १) |
| अमोच्छेदन)।।।)।। | संस्कारविधि १।) ३-) |
| अनुअमोच्छेदन)।।।)।। | संस्कारविधि सजिल्द १) ३-) |
| शास्त्रार्थ मेलो चांदापुर नागरी -))।। | स्वीकारपत्र)।)।। |
| शास्त्रार्थ मेलो चांदापुर उर्दू -))।। | आर्य्यसमाज के नियम नागरी में एक प्र- |
| शास्त्रार्थ काशी)।।।)।। | कार की स्याही में ३-)।। सैकड़ा, रङ्ग विरङ्गी |
| शास्त्रार्थ फीरोजाबाद -)।।)।। | स्याही में तथा सुनहरी २) सैकड़ा, अङ्गरेजी |
| वेदविरुद्धमतखण्डन ३-) ।। | में सफेद कागज पर १) सैकड़ा ।। |